जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 64 प्रभात बीकानेर, शुक्रवार 26 सितम्बर, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

'बाँसवाड़ा की धरती पर बिजली उत्पादन में भारत के सामर्थ्य का नया अध्याय लिखा गया है'

प्र.मंत्री मोदी ने नापला में 42,000 करोड़ रूपए की परमाणु बिजली परियोजना के शिलान्यास के दौरान कहा

उदयपुर/बांसवाड़ा, 25 सितम्बर (कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 'देश आज बिजली की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और इस रफ्तार में देश के हर हिस्से, हर राज्य को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि देश विकसित होने के लिए तेज गति से काम कर रहा है और इसमें राजस्थान की भी बड़ी भूमिका है।'

- **प्रधानमंत्री ने परमाणु बिजली परियोजना (42,000 करोड़ रूपए) सहित राजस्थान को 1 लाख 468 करोड़ रूपए की विकास परियोजनाओं और वंदे भारत ट्रेन की सौगात दी।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरूवार को को नापला (बांसवाड़ा) में माही बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा परियोजना के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने देशभर में 1 लाख 22 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। मोदी ने राजस्थान को 42 हजार करोड़ रुपए की परमाणु ऊर्जा परियोजना सहित, 1 लाख 8 हजार 468 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं एवं विकास कार्यों तथा दो वंदे भारत एक्सप्रेस सहित, तीन नई ट्रेनों की सौगात दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नवरात्रि के पावन पर्व के दौरान बांसवाड़ा में मां त्रिपुर सुंदरी की धरती पर आना उनके लिए सौभाग्य की बात है। मोदी ने कहा कि नवरात्रि में हम शक्ति के 9 स्वरूपों की पूजा करते हैं और परमाणु ऊर्जा परियोजना के शिलान्यास से बांसवाड़ा की धरती पर ऊर्जा शक्ति, यानी बिजली उत्पादन में भारत के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरूवार को बांसवाड़ा के नापला में आयोजित भव्य समारोह में 1 लाख 22 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल ने साफा पहनाकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया तथा विजयस्तंभ का चित्र भेंट किया।

पीएम कुसुम योजना के लाभार्थियों से मोदी का संवाद

जयपुर, 25 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर गुरूवार को बांसवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राजस्थान सहित, देशभर के पीएम कुसुम योजना के लाभार्थियों से संवाद किया।

- **बाँसवाड़ा में आयोजित इस कार्यक्रम में प्र.मंत्री मोदी ने देश भर के लाभार्थियों से बातचीत की।**

मोदी ने राजस्थान में फलौदी से पप्पू देवी, कोटपूतली से धर्मेन्द्र कुमार, प्रतापगढ़ से जगदीश मेघवाल, जोधपुर से रामचन्द्र सिंह, भरतपुर से प्रेम सिंह कुंतल, बांसवाड़ा के अर्थुना संघर्ष से संवाद किया।

इस दौरान राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डॉ. प्रेमचंद बैरवा तथा सांसद मदन राठौड़ उपस्थित रहे।

भाजपा के सांसदों ने वि.स. चुनाव लड़ने के लिए आनाकानी दिखाई

सूत्रों के अनुसार, भाजपा नेतृत्व ने नित्यानंद राय, गिरिराज सिंह, सतीश दुबे और राजीव प्रताप रूडी आदि को बिहार में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 सितंबर। बिहार में सत्तारूढ़ नैशनल डैमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) में एक नया राजनीतिक तूफान उस समय खड़ा हो गया, जब वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री आर.के. सिंह ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और अन्य भाजपा मंत्रियों पर जमकर हमला बोला और कथित भ्रष्टाचार के मामलों में कड़ी कार्रवाई की मांग की। उनके बयान ने न केवल प्रदेश इकाई में दरारें और गहरी कर दी हैं, बल्कि आगामी नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व को भी असहज कर दिया है।

- **पर इनमें से अधिकांश ने चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया और कहा कि विधानसभा चुनाव में बहुत कुछ दाँव पर है, अगर हम हार गए तो यह राजनैतिक आत्महत्या होगी और जीत गए तो भी दिल्ली में प्रभाव कम हो जाएगा।**
- **इसी बीच वरिष्ठ भाजपा नेता आर.के. सिंह ने बिहार के उपमुख्यमंत्री, भाजपा के सम्राट चौधरी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए और कड़ी कार्यवाही की मांग की।**
- **पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि इस बार चुनावों में एनडीए सवालों से घिरा हुआ है।**

जनता दल (यूनाइटेड) के नेता और एमएलसी नीरज कुमार, जिन्हें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का करीबी माना जाता है, ने भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने गठबंधन के सहयोगियों को याद दिलाया कि नीतीश कुमार का लंबा कार्यकाल स्वच्छ छवि का प्रतीक रहा है, जो चारा घोटाले जैसे घोटालों से भरे अंधकारमय वर्षों से एक स्पष्ट अंतर दिखाता है।

नीरज कुमार ने कहा, "बिहार की जनता ने नीतीश जी को इसलिए चुना था, क्योंकि वह भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी थी। पिछले दो दशकों से हमने स्वराज और विकास आधारित शासन दिया है। भाजपा नेताओं पर ऐसे आरोप गठबंधन की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाते हैं।"

पटना में उठे इस विवाद ने दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को हिला कर रख दिया है, जो पहले से ही पार्टी कार्यकर्ताओं और सहयोगी दलों के असंतोष से जूझ रहा है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि आंतरिक कलह और भ्रष्टाचार के आरोप एनडीए के "सुशासन" के नैरेटिव को कमजोर कर सकते हैं, जो पिछले चुनावों में इसकी ताकत रहा है।

नर्वस भाजपा नेतृत्व ने कथित रूप से कम से कम पांच केन्द्रीय मंत्रियों और प्रमुख सांसदों को बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहने को कहा है। जिन नामों की चर्चा हो रही है, उनमें केन्द्रीय मंत्री नित्यानंद राय और गिरिराज सिंह के साथ, वरिष्ठ सांसद राजीव प्रताप रूड़ी और सतीश दुबे शामिल हैं।

हालांकि, इन नेताओं में से अधिकांश ने राज्य की चुनावी राजनीति में उतरने से अनिच्छा जताई है। सूत्रों के अनुसार, उन्हें डर है कि इतना हाई-स्टेक चुनाव लड़ना उनके लिए राजनीतिक जोखिम साबित हो सकता है।

एक वरिष्ठ भाजपा सांसद ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा, "अगर हार गए तो राजनीतिक आत्महत्या है और अगर जीत भी गए, तो दिल्ली में हमारी पकड़ कमजोर हो जाएगी। किसी भी सूरत में यह हमारे लिए एंडगेम साबित हो सकता है।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अगले लोकसभा चुनाव से पहले उत्तर भारत को सिंधु नदी का पानी मिलेगा?

भारत सरकार सिंधु नदी के सिस्टम में भारी बदलाव करने की दिशा में गंभीर कदम उठा रही है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। भारत, उत्तर भारत की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सिंधु नदी प्रणाली में बड़े बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद, अब सरकार इस परियोजना को 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले पूरा करने की दिशा में रणनीतिक कदम उठा रही है।

- **प्रोजैक्ट से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इस संबंध में 14 किलोमीटर लम्बी टनल बनाने के लिए विस्तृत प्रोजैक्ट रिपोर्ट तैयार कर ली गई है, जो सिंधु नदी को व्यास नदी से जोड़ देगी।**
- **बहुराष्ट्रीय कम्पनी लार्सन एण्ड टूब्रो (एलएंडटी) को प्रोजैक्ट रिपोर्ट बनाने के लिए कहा गया है। ज्ञातव्य है कि 22 अप्रैल के पहलगाम अटैक के बाद भारत ने सिंधु नदी जल समझौता रद्द कर दिया था, तब से ही केन्द्र सरकार सिंधु नदी का पानी उत्तर भारतीय राज्यों तक पहुँचाने की दिशा में काम कर रही है।**

पिछले शुक्रवार को वरिष्ठ मंत्रियों की एक समीक्षा बैठक के दौरान बताया गया कि एक 14 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाने की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है, जो सिंधु नदी को ब्यास नदी से जोड़ेगी। ये दोनों नदियाँ सिंधु प्रणाली का हिस्सा हैं। यह जानकारी उन सूत्रों ने दी है जो इस परियोजना से जुड़े हैं।

लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) जैसी बहुराष्ट्रीय निर्माण कंपनी को यह परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का कार्य सौंपा गया है, जो अगले साल तक तैयार होने की उम्मीद है।

सूत्रों ने आगे बताया कि बैठक में, प्रस्तावित 113 किलोमीटर लंबी नहर की भी समीक्षा की गई, जिसके माध्यम से सिंधु जल को उत्तर भारत के राज्यों तक पहुँचाया जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भूपेन्द्र यादव प.बंगाल में भाजपा के प्रभारी नियुक्त

नई दिल्ली, 25 सितंबर। भाजपा ने गुरुवार को बिहार, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के लिए प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किए।

पश्चिम बंगाल के लिए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को चुनाव प्रभारी बनाया गया है, जबकि त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब सह-प्रभारी होंगे। पश्चिम बंगाल में टीएमसी की मजबूत पकड़ को तोड़ने के लिए की भाजपा यह रणनीति अगम है। वैसे भी अगले साल पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव हैं। 2026 में होने वाले चुनावों में भूपेंद्र यादव की भूमिका अहम होगी। भूपेंद्र यादव के पास भी अच्छा खासा संगठनात्मक

- **धर्मेन्द्र प्रधान को बिहार, ओडिशा सांसद बैजयंत पांडा को तमिलनाडु का प्रभारी नियुक्त किया गया है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने दादर-नगर हवेली के 50 साल पुराने भूमि विवाद को निपटाया

पर, खेद जताया कि औपनिवेशकालीन भूमि विवाद आज़ादी के 78 साल बाद भी अदालतों में चल रहे हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को टिप्पणी की कि औपनिवेशिक युग के भूमि विवाद आज भी भारतीय अदालतों में लंबित हैं, जो चिंताजनक है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी दादर और नगर हवेली में 1923 से 1930 के बीच पुर्तगाली प्रशासन द्वारा दी गई स्थायी पट्टों (एलवराज़) से जुड़े अपीलों पर सुनवाई के दौरान की।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, दीपांकर दत्ता और एन. कोटिश्वर सिंह की बैंच ने उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जो पुर्तगाली शासनकाल में ज़मीन पाने वाले लोगों के वंशजों ने 1974 में कलक्टर द्वारा दी गई कृषि रियायतें रद्द किए जाने के खिलाफ दाखिल की गईं थीं। यह कार्रवाई 1919 के "ओर्गनिज़ासाओ अग्रारिया" कानून के तहत की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, "इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह नहीं है कि यह विवाद आधी सदी से भी पहले शुरू हुआ था, बल्कि यह गहरी विडंबना है कि आज़ादी के 78 साल बाद भी, यह न्यायालय ऐसे भूमि अधिकारों से उपजे विवादों को सुलझा रहा है, जिन्हें उन औपनिवेशिक शक्तियों ने दिया था जिन्होंने कभी इस देश की संपदा और संसाधनों का शोषण किया था।"

- **यह विवाद 1923-1930 के बीच पुर्तगाली शासन द्वारा दादर नगर हवेली में दिए गए "एलवराज़" (पट्टे) से संबंधित था, जिसमें पट्टाधारक के लिए ज़मीन पर खेती करना व हर साल टैक्स देना जरूरी था। सन् 1954 में पुर्तगाल से इस क्षेत्र को आज़ाद करा लिया गया था और 1974 में जिला कलैक्टर ने खेती नहीं होने की बात कह कर पट्टे रद्द कर दिए, जिस पर पट्टाधारकों ने केस कर दिया था। तब से ही मामला चल रहा है।**

एलवराज़, 1923-1930 के बीच पुर्तगाली शासन द्वारा दादर और नगर हवेली में दिए गए स्थायी पट्टे थे। इसमें शर्तें थी कि मालिक को ज़मीन पर खेती करना और हर साल कर देना ज़रूरी था।

1954 में दादर और नागर हवेली पुर्तगाल आज़ाद हुआ और 1961 में इसका भारत में विलय हुआ।

वर्ष 1974 में ज़िला कलेक्टर ने यह कहते हुए एलवराज़ रद्द कर दिए कि ज़मीन पर खेती नहीं हुई, जो ओए की धारा 12 का उल्लंघन है।

यह विवाद पिछले पाँच दशकों से अदालतों में चल रहा है।

वर्ष 1978 में ट्रायल कोर्ट ने ज़मीनधारकों के पक्ष में फैसला दिया कि पुर्तगाली प्रशासन ने खेती की शर्त को समाप्त कर दिया था। वर्ष 1983 में जिला अपीलीय अदालत ने भी यही रुख अपनाया और कहा कि दशकों तक राज्य की निष्क्रियता "स्वीकृति" मानी जाएगी।

वर्ष 2005, बॉम्बे हाई कोर्ट ने इन फैसलों को पलट दिया और कहा कि सिर्फ देरी की वजह से कार्रवाई नहीं हुई, इसका मतलब यह नहीं कि राज्य ने मौन स्वीकृति दी। इसने कलैक्टर के पट्टे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्कूल के मैदान में रामलीला की अनुमति

नयी दिल्ली, 25 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद स्थित एक स्कूल मैदान में चल रहे रामलीला समारोह को सशर्त जारी रखने की बुधवार को अनुमति दे दी।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित आदेश पर रोक लगाते हुए फिरोजाबाद के टूंडला स्थित जिला परिषद विद्यालय मैदान में रामलीला जारी रखने की अनुमति इस

- **सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए फिरोज़ाबाद के सरकारी स्कूल के मैदान में रामलीला के मंचन की अनुमति दे दी है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका विश्व के सभी सफल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि पर आधिपत्य चाहता है

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा टिक टॉक डील पर इतना ज्यादा जोर देना अमेरिका की इस नीति का बड़ा उदाहरण है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। दुनिया भर के बाज़ारों में अपनी ताक़त जमाने की कोशिश करते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अमेरिका में काम कर रही कंपनियों पर नियंत्रण हासिल करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं।

चीन के बेहद सफल सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म "टिक टॉक" के भविष्य को लेकर अमेरिका और चीन के बीच लंबे समय तक चले विवाद के बाद, दोनों देशों ने अमेरिका में टिक टॉक के संचालन को जारी रखने के लिए एक समझौते का फ़ॉर्मूला तय किया।

अमेरिका ने पहले कंपनी पर यह शर्त लगाकर कंपनी के अमेरिका में संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया था कि जब तक उसके चीनी मालिक अपनी अमेरिकी संपत्तियाँ अमेरिकी निवेशकों को नहीं बेचते, तब तक टिकटॉक अमेरिका में काम नहीं कर सकेगा। नए समझौते के अनुसार, अमेरिकी कंपनियों का एक समूह टिकटॉक की अमेरिकी संपत्तियाँ खरीदेगा और उसके मूल एल्गॉरिद्म को ओरेकल चलाएगा।

इस समझौते के तहत, दोनों देशों के प्रमुख, डॉनल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग, निकट भविष्य में द्विपक्षीय मुद्दों को सुलझाने के लिए मिलने वाले हैं। टिक टॉक को लेकर हुआ यह स्वार्थी समझौता अमेरिकी दावों के खोखलेपन को दर्शाता है, जिनमें वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मुक्त व्यापार वाली अर्थव्यवस्था (फ्री एन्टरप्राइज़ इकॉनमी) की बात करता है।

अमेरिका एक तरफ़ तो अपने देश में काम कर रही एक बेहद सफल सोशल मीडिया कंपनी पर पूरा नियंत्रण चाहता है, और दूसरी ओर भारत जैसे देशों से आने वाले अत्यधिक प्रतिभाशाली तकनीकी पेशेवरों के काम को सीमित करने की कोशिश कर रहा है।

- **अमेरिका ने चीन को मजबूर किया है कि चीन टिक टॉक का अमेरिकन संचालन किसी अमेरिकन कंपनी को बेच दे।**
- **जैसा कि विदित है, टिक टॉक विश्व के सबसे सफल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स में से एक है और अमेरिका के युवाओं में बेहद लोकप्रिय है।**
- **अमेरिका इस प्लेटफॉर्म पर न केवल काबिज होना चाहता है, बल्कि यह भी चाहता है कि इसका सॉफ्टवेयर भी अमेरिका में ही बने। चर्चा है कि अमेरिकन कंपनी ऑरेकल यह सॉफ्टवेयर बनाएगी।**
- **इसी नीति के तहत वे अमेरिका में कार्यरत उच्च शिक्षित भारतीय इंजीनियर्स का काम अमेरिकन प्रोफैशनल्स को देना चाहते हैं।**
- **यह सारी कोशिशें अमेरिका के हित में हो सकती हैं। पर, क्या यह "फ्रीडम ऑफ स्पीच" का उल्लंघन नहीं है, जिसका अमेरिका हमेशा पैरोकार रहा है।**

टिक टॉक दुनिया के सबसे सफल सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों में से एक रहा है, जिसमें अमेरिका भी शामिल है। लेकिन फिर अमेरिकियों ने आरोप लगाया कि चीनी स्वामित्व वाली यह कंपनी जासूसी कर रही है और ऐप का इस्तेमाल करने वालों तथा अन्य लोगों का निजी डेटा चुरा रही है।

टिक टॉक खास तौर पर इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले युवाओं का पसंदीदा प्लेटफ़ॉर्म रहा है, जहाँ वे अपने विचार, राय और गतिविधियाँ साझा करते थे। कुछ लोगों का अनुमान है कि इसके लगभग 4 करोड़ उपयोगकर्ता थे, जिससे यह युवा आबादी पर असर डालने की अनोखी स्थिति में था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वांगचुक के एनजीओ पर सरकारी शिकंजा

नयी दिल्ली, 25 सितम्बर। सरकार ने लद्दाख के सामाजिक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के गैर सरकारी संगठन का विदेशी अंशदान नियमन पंजीकरण प्रमाण पत्र (एफसीआरए) वित्तीय अनियमितताओं और कानूनों के उल्लंघन के कारण रद्द कर दिया है।

- **केन्द्र सरकार ने वांगचुक के एनजीओ के विदेशी अंशदान नियमन पंजीकरण प्रमाण पत्र को रद्द कर दिया है।**

गृह मंत्रालय ने गुरूवार को एक आदेश जारी कर कहा कि सक्षम अधिकारी ने विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम 2010 की धारा 14(1) के तहत अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए वांगचुक के संगठन स्टूडेन्ट्स

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

''जीवन के अच्छे दिनों में कभी भी उन लोगों को ना भूले जो जीवन के बुरे दिनों में आपके साथ थे।''
- अरविन्द कटोच

एसआईआर की प्रक्रिया में जारी की जाने वाली मतदाता सूची वास्तव में नागरिक मतदाता सूची है और यह विषय चुनाव आयोग की Autonomy (स्वत्व अधिकार) का है

त्रुटिपूर्ण मतदाता सूचियों को लेकर, अथवा विशेष गहन पुनरीक्षण (1/4SIR1/2) को लेकर, अथवा मतदाता सूचियों से मतदाता का नाम काटने और जोड़ने को लेकर आदि से संबंधित कई आपत्तियों को लेकर चुनाव आयोग पर उनके कर्मचारियों पर पक्षपात करने अथवा तटस्थतहीनता, अवैध आचरण के आरोप लगाये जाकर यहाँ तक कि इन कृत्यों को वोट चोरी के नाम की संज्ञा दी जा रही है। आरोपों का यह सिलसिला यहाँ तक पहुँच गया है कि एनडीए के कई नेताओं ने विपक्ष के नेता पर देश में अशान्ति फैलाने का कृत्य कहा है और यहाँ तक कहा है कि वे देश के युवाओं को व जनरेशन जैड को देश के विरूद्ध भटका रहे हैं। नेताओं का कहना है कि विपक्ष के नेता ने एक्स पर लिखा है ''देश के युवा देश के छात्र जेन जैड संविधान को बचायेंगे और वोट चोरी को रोकेंगे''।

मतदाता सूचियों की अवैधता के उक्त आरोप विपक्ष देश की संसद, देश की सड़कों पर और चुनाव आयोग के कार्यालय में उठा चुके हैं और कई जनहित याचिकायें न्यायालय में पेश की जा रही हैं, कुछ पर सुनवाई की जा रही है। यद्यपि कोर्ट की कार्यवाही को रोके जाने से अन्तरिम निषेधाज्ञा का आदेश देश कोर्ट ने देने से मना कर दिया है, किन्तु कुछ अन्तरिम आदेश दिये भी हैं। जैसे माननीय सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश दिया है कि अन्य 11 डॉक्यूमेन्ट्स के साथ नाम जोड़ने में आधार कार्ड का प्रयोग किया जा सकता है, साथ ही यह भी यह भी कहा है कि आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण नहीं है।

केसेज में सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही के अध्ययन ने तथा भारत के संविधान के अनुच्छेद 324, 326, 329 व अन्य प्रावधानों से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि न्यायालय के समक्ष दो मूल प्रश्न हैं, प्रथम है क्या एसआईआर पर निर्णय लेना आयोग का विवेकाधिकार है? द्वितीय पक्ष है क्या यह मामला तय करने का अधिकारा अनुच्छेद 32 के तहत् पीआईएल में दिया जा सकता है? प्रथम प्रश्न के साथ यह मुद्दा भी विचारणीय है कि जब संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार केवल नागरिक का ही अधिकार है तो फिर अवैध प्रवासियों को जो बांग्लादेश, म्यांमार से आये हुये अवैध माइग्रेन्ट्स हैं, उन्हें एसआईआर की कार्यवाही में कैसे मतदान करने का अधिकार दिया जा सकता है? जबकि नागरिकता तय करने का मापदण्ड़ अनुच्छेद 6 से 11 में दिया हैं।

कोई व्यक्ति भारत का नागरिक है इसे तय करने का अधिकार भारत के गृह मंत्रालय का है। अवैध प्रवासियों में से, जिनके बाबत एसआईआर की कार्यवाही में अवैध प्रवासी हाने की आपत्ति उठाई है, उन्होंने भारत सरकार के समक्ष नागरिकता प्राप्त करने की कार्यवाही नहीं की है। इस प्रकार नागरिकता का प्रश्न भी संवैधानिक प्रश्न है। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि अवैध प्रवासियों की जाँच की जावे, उनसे शपथ-पत्र लिया जावे कि उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 से पूर्व भारत में हुआ था, विकल्प में उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 और दिसम्बर, 2024 के मध्य हुआ है। उनसे उनके माता-पिता के जन्म स्थान के दस्तावेज लिये जावें।

अनुच्छेद 324 में संविधान ने सांसदों व विधायकों की चुनाव की मतदाता सूची तैयार करने का संचालन, अधीक्षण व निर्देशन व नियन्त्रण का पूर्ण दायित्व दिया है और अनुच्छेद 326 में स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव में खड़े होने का अधिकार केवल नागरिक को ही है। इसके अतिरिक्त इसी बात को अनुच्छेद 191 में स्पष्ट कर दिया है जबकि मतदाता नागरिक ही नहीं है तो वह विधान सभा का सदस्य होने के लिये और सदस्य चुने जाने के लिये Disqualified (निरर्हित) होगा।

अनुच्छेद 326 एक ओर जहाँ नागरिकों को वयस्क मताधिकार देता है, वहाँ यह स्पष्ट हो जाता है कि मतदाता सूची साधारण सूची नहीं है अपितु नागरिक मताधिकार सूची है। अनुच्छेद 327 में यह व्यवस्था है कि इस संविधान के उपबन्धों के अधीन रहते हुये संसद, राज्य की विधानसभा के लिये चुनाव से सम्बन्धित निर्वाचनों के सभी विषय अर्थात् निर्वाचक नामावली तैयार कराना आदि सभी विषयों पर कानून बना सकेगी। अनुच्छेद 324 सपठित अनुच्छेद 327 इस प्रकार एसआईआर में मतदाता सूची तैयार कराने का निर्णय लेना, चुनाव आयोग की । Autonomy (स्वत्व अधिकार) है और विवेकाधिकार है। अतः संविधान ने अनुच्छेद 329 में न्यायालय का हस्तक्षेप वर्जित किया है।

कोई व्यक्ति भारत का नागरिक है इसे तय करने का अधिकार भारत के गृह मंत्रालय का है। अवैध प्रवासियों में से, जिनके बाबत एसआईआर की कार्यवाही में अवैध प्रवासी हाने की आपत्ति उठाई है, उन्होंने भारत सरकार के समक्ष नागरिकता प्राप्त करने की कार्यवाही नहीं की है। इस प्रकार नागरिकता का प्रश्न भी संवैधानिक प्रश्न है। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि अवैध प्रवासियों की जाँच की जावे, उनसे शपथ-पत्र लिया जावे कि उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 से पूर्व भारत में हुआ था, विकल्प में उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 और दिसम्बर, 2024 के मध्य हुआ है।

वर्तमान में जितनी भी रिट् याचिकायें एसआईआर के सम्बन्ध में दायर की गई हैं वे सभी संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत् की गई हैं। न्यायालय नागरिकों के मूल अधिकारों व उनकी स्वतंत्रतों के संरक्षक हैं। नागरिकों के मूल अधिकारों पर यदि आक्रमण होता है, तो व्यक्ति सीधा उच्चतम न्यायालय में कुछ विपरीत परिस्थितियों में जा सकता है।

इस बाबत उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) का निर्णय जो गवर्नमेन्ट ऑफ आन्ध्रप्रदेश बनाम श्रीमती पी लक्ष्मी बाई एआईआर 2010 एससी 1476 में प्रकाशित हुआ उसे देखा जा सकता है। एसआईआर की उक्त याचिकायें पीआईएल (लोकहित वाद) की हैं। लोकहित याचिकायें मुख्य रूप से समाज के कमजोर वर्गों को न्याय सुलभ कराने के उद्देश्य से दायर की जाती हैं। अतः उच्चतम न्यायालय का यह स्पष्ट निर्णय है कि इसका उपयोग मानव अधिकारों के संरक्षण के हेतु ही होना चाहिये न कि अन्य मामलों में। चुनाव सम्बन्धित विषय राजनैतिक है, अतः चुनाव सम्बन्धित विषय के मुकदमों पर अनुच्छेद 32 की याचिकाओं पर सुनवाई करने से इन्कार किया है और यही कारण है कि अनुच्छेद 329 में इस विषय के मुकदमों की सुनवाई केवल चुनाव याचिकाओं के माध्यम से ही की जा सकती है। अनुच्छेद 329 में न्यायालय के हस्तक्षेप के अधिकार को वर्जित किया है सन् 1954 का सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आज भी मान्य है।

पीआईएल याचिकाओं में पिटीशनर स्वंय का अथवा अन्य विशिष्ट व्यक्ति का, जिसके मूल अधिकार का हनन हुआ है, उसका उल्लेख नहीं है। उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने अपने निर्णय कॉमन कॉज बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया, एआईआर 2008 एससी 2116 में यह निर्देश दिया है कि न्याय सक्रियता का अर्थ यह नहीं है कि न्यायपालिका, विधायिका एक कार्यपालिका का कार्य करे। प्रवासी भलाई संगठन बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया, एआईआर 2014 एससी 1591 में इस बात को स्पष्ट करते हुये कहा है कि न्याय सक्रिया का प्रयोग वहाँ होना चाहिये जहाँ पूर्णतः ऑल्टरनेटिव विधिक शून्यता हो। यहाँ तो अनुच्छेद 329 में चुनाव याचिका में ही मतदाता सूची के विवाद को सुनवाई करने का अधिकार दिया गया है। चुनाव याचिकायें हाईकोर्ट में प्रेषित की जा सकती हैं।

इस प्रकार रिट् याचिकाओं के बाबत प्रत्यक्षः उपरोक्त आपत्तियां उठाई जा सकती हैं। मतदान का अधिकार मूल अधिकार नहीं है अपितु संवैधानिक अधिकार है। प्राप्त सूचना के अनुसार दिनांक 30 सितम्बर, 2025 तक एसआईआर की फाइनल लिस्ट तैयार हो जावेंगी और 5 अक्टूबर, 2025 को बिहार में चुनाव होने की सूचना जारी होगी तथा 5 से 15 नवम्बर, 2025 के मध्य ये चुनाव होंगे। ऐसी स्थिति में जब चुनाव की सूचना जारी की जा चुकी है तो क्या उक्त पीआईएल स्वतः ही प्राण शून्य हो जावेंगी, क्योंकि उनकी बहस की तारीख ही सम्भवतः 7 अक्टूबर, 2025 है। इस बाबत सुभाष सैनी विरूद्ध स्टेट ऑफ राजस्थान के केस में सन् 2015 में यह प्रश्न निर्णित हुआ है।

इस प्रकार हम संविधान के परिप्रेक्ष्य में कह सकते हैं कि मतदाता सूची वस्तुतः नागरिक मतदाता सूची है अर्थात् मत देने का अधिकार केवल देश के नागरिक को ही प्राप्त है, यदि वह व्यक्ति नागरिक नहीं है और चुनाव में जीत दर्ज करा देता है तो उसका चुनाव अवैध होगा तथा इसका निर्णय केवल चुनाव याचिका में ही उठाया जा सकता है जिसे सुनने का अधिकार केवल राज्य के हाईकोर्ट को है। चुनाव जीतने के बाद व्यक्ति यदि विधान सभा का सदस्य बन जाता है तो उसकी अयोग्यता का प्रश्न को निर्णय करने का अधिकार केवल राज्य के गवर्नर को प्राप्त है। जिसका निर्णय संविधान के अनुच्छेद 192 के अनुसार होगा। यदि अयोग्य विधायक विधान सभा की कार्यवाही में भाग लेता है अथवा मत देता है तो उस पर अपराध साबित होने पर प्रतिदिन भाग लेने पर 500/-रूपये जुर्माना किया जा सकता है।

अतः हम इस निर्णय पर पहुँचते हैं कि मतदाता सूची केवल नागरिकों की मतदाता सूची इसमें अवैध प्रवासी चाहे वे बांग्लादेश से आये हों अथवा म्यांमार से उन्हें मतदाता में नहीं जोड़ा जा सकता। देश की राजनीति में भाग लेने का अधिकार केवल देश के नागरिकों को ही प्राप्त है।

सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

प्रवासी भारतीयों की पहचान, संघर्ष और उनका असमंजस

प्रवासी दृष्टि : समाज, संस्कृति और सोच

डॉ. पंकज राजवंशी

यह सारा एच1बी वीज़ा वाला मामला जब हाल ही में मीडिया में छाया, तो मुझे न चाहते हुए भी सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि आख़िर भारतीय अप्रवासियों को लेकर यह असहजता क्यों बढ़ रही है। अमेरिका जैसे देश में, जहाँ आव्रजन का इतिहास गहरा और समृद्ध है, भारतीयों को लेकर यह नया असंतोष आखिर क्यों दिखाई दे रहा है।

मैंने खुद तीस साल पहले अमेरिका में कदम रखा था, वह भी पहली पीढ़ी के प्रवासी के तौर पर। तब की चुनौतियाँ बिल्कुल अलग थीं, संख्या बेहद कम थी और हमें धीरे-धीरे, सम्मानपूर्वक अपना स्थान बनाना था। हमारे जैसे प्रवासी इक्का-दुक्का ही थे और हमारी उपस्थिति खुद एक बयान लगती थी। हम इस नए देश के रंग में ढलना चाहते थे क्योंकि हमें साफ़ था कि अगर यहाँ सम्मान पाना है, तो पहले इस समाज को समझना और फिर उसका हिस्सा बनना होगा। हमारे लिए समायोजन, यानी, कोई वैचारिक मुद्दा नहीं था बल्कि जीविका और सामाजिक स्वीकृति की बुनियादी शर्त थी। हमने बोलचाल में संयम रखा, शालीनता बरती और हर सार्वजनिक व्यवहार में सजगता अपनाई। हमारे त्योहार हों या भाषा, हम यह नहीं चाहते थे कि कोई हमें अलग समझे या हमसे असहज महसूस करे। यह कोई आत्म-समर्पण नहीं था, बल्कि एक आत्म-निर्माण की प्रक्रिया थी जिसे हर प्रवासी को अपने ढंग से अपनाना पड़ता है। उसी ज़मीन पर खड़े होकर जब मैं आज के हालात देखता हूँ, तो मन में एक अजीब सा द्वंद्व उठता है। यही बात मैंने हाल ही में अपनी बेटी से साझा की, और फिर हमारे बीच एक लंबी, जटिल लेकिन ज़रूरी बातचीत हुई।

आज जब मैं हाल के वर्षों में आए भारतीय प्रवासियों को देखता हूँ, खासकर तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों को, तो एक बिल्कुल अलग ही रवैया नज़र आता है। बड़े-बड़े समूहों में आकर ये लोग अपने-अपने कस्बों और ज़िलों को जैसे अमेरिका में दोबारा बसाने लगे हैं। सिएटल, डलास, ह्यूस्टन जैसे शहर अब मिनी इंडिया में बदलते जा रहे हैं। वहाँ भारतीय भोजन, भाषा, रीति-रिवाज़, परिधान और संगीत सब कुछ बड़े ज़ोर-शोर से मौजूद है। ऐसा लगता है जैसे अब किसी समायोजन की आवश्यकता नहीं रही। न बोलचाल में कोई सोच-विचार है, न सार्वजनिक व्यवहार में कोई मर्यादा। सार्वजनिक जगहों पर ऊँची आवाज़ में बात करना, बिना अनुमति सामूहिक कार्यक्रम करना, या यह मान लेना कि जिस जगह पर वे हैं वहाँ सब उनके जैसे ही सोचते हैं, यह सब अब सामान्य बात होती जा रही है।

जब मैंने अपनी बेटी से यह सब साझा किया तो उसने कहा, पापा, ये उनका हक़ है। कोई समाज तय नहीं कर सकता कि प्रवासी कैसे बर्ताव करें। यह सुनकर मैं कुछ देर चुप रहा, लेकिन भीतर एक सवाल घूमता रहा। क्या यह सच में केवल उनका अधिकार है कि वे जहाँ जाएँ, वहाँ अपनी संस्कृति को इस तरह फैला दें कि स्थानीय समाज उसमें खुद को अजनबी महसूस करने लगे? दिलचस्प यह है कि मेरी बेटी भी अब अपने भारतीयपन से जुड़ गई है, लेकिन एक संतुलित तरीके से। वह दिवाली मनाती है, लेकिन शांति से। भारतीय परिधान पहनती है, पर उसका प्रदर्शन नहीं करती। उसकी भारतीय पहचान अब उसके भीतर है, गर्व के साथ लेकिन बिना किसी शोर शराबे के। और यही तो फर्क है। उसकी पीढ़ी, जो यहीं पैदा हुई, अब अपनी जड़ों से जुड़ना चाहती है लेकिन उसमें दूसरों के लिए सम्मान और एक सजग संतुलन है।

दूसरी ओर, जो लोग भारत से हाल ही में आए हैं, वे सामूहिकता और संख्या के बल पर उस विनम्रता को कहीं पीछे छोड़ आए हैं जो किसी भी प्रवासी समुदाय की सबसे बड़ी ताकत होती है। यह फर्क केवल व्यवहार का नहीं है, यह मानसिकता का भी है। और शायद इसके पीछे का मनोविज्ञान समझने से हम इस पूरी स्थिति को बेहतर समझ पाएँ। 1970 से 1990 के दशक में जो भारतीय अमेरिका आए, वे छोटे-छोटे समूहों में थे।

उनके पास न तो कोई सामाजिक ढांचा था, न तकनीकी सहारे। उन्हें मुख्यधारा में घुलने-मिलने के लिए प्रयास करने पड़ते थे। दूसरी ओर, 2000 के बाद आए प्रवासी ज़्यादातर बड़े समूहों में आए, खासकर तकनीकी क्षेत्र से। उनके पास मंदिर थे, भारतीय ग्रॉसरी स्टोर थे, भाषा-समूह थे, और एक संगठित डिजिटल नेटवर्क था जिसमें व्हाट्सऐप जैसे माध्यम भी शामिल थे। जब आपके चारों ओर इतनी मजबूत सांस्कृतिक बुनियाद हो, तो बाहर की दुनिया से जुड़ने की ज़रूरत कम लगती है। लेकिन इसके साथ ही यह एक ऐसी दीवार भी बन जाती है जो स्थानीय समाज से दूरी पैदा करती है।

पहली पीढ़ी के अप्रवासी आत्म-अस्वीकृति और सामाजिक स्वीकृति के बीच झूलते रहे। वहीं नई पीढ़ी सांस्कृतिक गर्व के साथ जीना चाहती है। टकराव तब होता है जब यह गर्व, दूसरों के लिए दबाव बन जाता है। जब प्रवासी समुदाय छोटे होते हैं, तो उनकी सांस्कृतिक उपस्थिति विविधता लगती है। लेकिन जैसे-जैसे संख्या बढ़ती है, वही उपस्थिति प्रभुत्व जैसी महसूस होने लगती है।

एक समय था जब दिवाली पर पटाखे जलाना भी सोच-समझकर होता था। आज तो पूरी कॉलोनियाँ देर रात तक डीजे, ढोल और आतिशबाज़ी के साथ गूंजती हैं, मानो किसी शादी मंडप का सार्वजनिक प्रसारण हो रहा हो। अब ये त्योहार उत्सव नहीं रह गए हैं, वे सांस्कृतिक शक्ति-प्रदर्शन बन गए हैं। सवाल यह नहीं है कि आप अपनी परंपराएँ क्यों जी रहे हैं, सवाल यह है कि आप उन्हें इस तरह क्यों जी रहे हैं कि आसपास के लोग असहज महसूस करने लगें।

इसका दूसरा पहलू यह है कि स्थिति को पलट कर देखो, तो हम तो आपस में ही इतना भेदभाव करते हैं कि दूसरों से सम्मान पाने की बात थोड़ी असहज लगती है। अमेरिका में बसे भारतीय प्रवासी भी अपनी क्षेत्रीय पहचानों में इतने उलझे रहते हैं कि 'भारतीय' पहचान कहीं पीछे छूट जाती है। पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण भारत से आए लोग अक्सर अपने रीति-रिवाज, भाषा और खानपान को लेकर इतने सजग और कभी-कभी आत्ममुग्ध रहते हैं कि दूसरे की सांस्कृतिक शैली को तुच्छ मानने लगते हैं। क्या हम तब भी यह दावा कर सकते हैं कि अमेरिका हमें एकसमान दृष्टि से देखेगा? जब हम अपने ही लोगों के साथ समानता नहीं निभा पाते, तो दूसरों से अपेक्षा रखना एकतरफा नहीं लगता।

सांस्कृतिक असुरक्षा और गर्व के बीच का अंतर बहुत महीन होता है। जब आप एक नई ज़मीन पर आते हैं, तो अपनी परंपराओं से जुड़ाव एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। लेकिन यह जुड़ाव कब असहिष्णुता में बदल जाए, इसका बोध आवश्यक है। संस्कृति को जीने का अधिकार सबको है, लेकिन उसमें दूसरों की जगह के लिए भी गुंजाइश होनी चाहिए। अगर हम चाहते हैं कि हमें अपनाया जाए, तो हमें यह भी दिखाना होगा कि हम अपनाने लायक हैं।

यह केवल इस देश के मूल्यों को स्वीकारने की बात नहीं है, बल्कि यह तय करने की बात है कि हम किस तरह के नागरिक बनना चाहते हैं। क्या हम ऐसे बनना चाहते हैं जो अपनी पहचान पर अड़े रहें, या ऐसे जो अपनी पहचान के साथ सौहार्द भी जी सकें?

हम यहाँ पहले मेहमान बनकर आए थे। धीरे-धीरे सदस्य बने। लेकिन अब ऐसा लगने लगा है कि कुछ लोग खुद को बिना पूछे मेज़बान समझने लगे हैं। यहीं से टकराव शुरू होता है और सामाजिक प्रतिक्रिया जन्म लेती है। समायोजन का मतलब खुद को मिटाना नहीं है, लेकिन यह भी नहीं कि हम उस देश की आत्मा को ही बदलने पर आमादा हो जाएँ जिसने हमें जगह दी।

मेरी और मेरी बेटी की सोच में अंतर है। शायद यह पीढ़ियों का फर्क है। लेकिन समाधान इन दोनों सोचों के बीच ही कहीं छिपा है। न अपनी पहचान छोड़नी चाहिए, न दूसरों की उपेक्षा करनी चाहिए। यही संतुलन हमें एक बेहतर प्रवासी और एक बेहतर इंसान बना सकता है। यही वह संयम और समझदारी है जिसकी किसी भी बहुसांस्कृतिक समाज को सबसे ज़्यादा ज़रूरत होती है।

डॉ. पंकज राजवंशी,
सिएटल (अमरीका) में एक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट हैं

हर विद्यालय में सीखने का उत्सव - ''प्रखर राजस्थान 2.0 अभियान''

राजेश यादव

- **90 दिन का विशेष अभियान, 5 दिसम्बर तक सभी राजकीय विद्यालयों में जारी**
- **रोचक गतिविधियों द्वारा पठन पाठन को धारा प्रवाह बनाने का अनूठा प्रयास**

प्रखर राजस्थान अभियान 2.0 सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रदेश के हर बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान 90 दिनों तक चलेगा और 5 दिसम्बर तक राज्य के सभी राजकीय विद्यालयों में संचालित होगा। इसका प्रमुख लक्ष्य कक्षा 3 से 8 तक के विद्यार्थियों में धारा प्रवाह पठन-पाठन की क्षमता विकसित करना है। भाषा और गणित की समझ को सरल व रोचक गतिविधियों के माध्यम से मजबूत किया जा रहा है ताकि बच्चों की नींव को पुख्ता बनाकर उन्हें आगे की पढ़ाई में आत्मविश्वास मिल सके।

अभिभावक भी बने सहभागी :-अभियान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ अभिभावकों को भी जोड़ा गया है। इसके लिए मेगा पीटीएम का आयोजन किया गया है ताकि अभिभावक बच्चों की प्रगति को स्वयं देख सकें और सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा बनें।

नवाचार की दिशा में बड़ा कदम :-इस अभियान को शिक्षा विभाग ने एक नवाचार के रूप में तैयार किया है। शिक्षकों को प्रशिक्षित कर विद्यार्थियों की कमजोरियों की पहचान की जा रही है और उन्हें व्यक्तिगत सहयोग देकर सुधार लाने की कोशिश की जा रही है। पिछले वर्ष संचालित प्रखर राजस्थान अभियान के सकारात्मक नतीजों को देखते हुए इस बार एआई आधारित ओरल रीडिंग फ्लुएंसी आकलन भी लागू किया गया है। शिक्षा विभाग का मानना है कि यदि बच्चों का पठन-पाठन मजबूत होगा तो वे आगे की कक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

अभियान के विशेष पहलू :-

- रोजाना तय समय पर अतिरिक्त गतिविधियां
- छोटे-छोटे लक्ष्य देकर बच्चों को प्रोत्साहित करना
- प्रगति का नियमित मूल्यांकन
- वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सतत मॉनिटरिंग

अभियान के अंतर्गत किए जा रहे प्रयास

- रेमेडियल एवं रीडिंग कालांश में 12 सप्ताह का पठन-लेखन कौशल आधारित सघन शिक्षण कार्य
-बच्चों को कहानियों, कविताओं और स्थानीय साहित्य से जोड़ना
-पुस्तकालय की कहानियों, कार्य पुस्तिकाओं, पाठ्यपुस्तकों और एबीएल किट का अधिक उपयोग
-घर और स्कूल दोनों जगह बच्चों के लिए सकारात्मक पठन माहौल तैयार करना।

राजेश यादव, सहायक निदेशक, माध्यमिक शिक्षा विभाग

''नागौर हस्तशिल्प प्रदर्शनी-2025'' का शुभारम्भ

- **प्रदर्शनी में स्थानीय उद्योग, हस्तशिल्प, दस्तकारों औ ओडीओपी उत्पादों को प्रदर्शित किया जा रहा है**
- **''एक जिला एक उत्पाद'' योजना के तहत चयनित पान मैथी के उत्पादन, सही लागत और जीआई टैग दिलाने के प्रयासों की जानकारी दी**

नागौर, (निसं) जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, नागौर में 25 से 27 सितम्बर तक आयोजित ''नागौर हस्तशिल्प प्रदर्शनी-2025'' का गुरुवार को भव्य शुभारम्भ हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन नागौर जिले के प्रभारी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने किया।

महाप्रबन्धक जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, बजरंग सांगवा ने बताया कि प्रदर्शनी में स्थानीय उद्योग, हस्तशिल्प, दस्तकारों औ ओडीओपी उत्पादों को प्रदर्शित किया जा रहा है। स्थानीय उत्पादों को बाजार एवं विपणन की सुविधा उपलब्ध कराने क उद्देश्य से विभाग द्वारा समय-समय पर मेले एवं प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है। मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने भारत सरकार के जीएसटी बचत उत्सव की जानकारी देते हुए बुनकरों, हस्तशिल्पियों और आगन्तुकों से स्वदेशी एवं स्थानीय उत्पादों को अपनाने का आव्हान किया। विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के मसाला बोर्ड के सदस्य, भोजराज सारस्वत ने युवाओं से नौकरी करने के बजाय सफल उद्यमी बनकर रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर दिया। जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने ''एक जिला एक उत्पाद'' योजना के तहत चयनित पान मैथी के उत्पादन, सही लागत और जीआई टैग दिलाने के प्रयासों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने स्थानीय उद्यिमयों एवं हस्तशिल्पियों से समयानुकूल तकनीक अपनाने पर बल दिया। भारत सरकार के जीएसटी विभाग के संयुक्त आयुक्त भारत सिंह ने हाल ही में जीएसटी दरों में की गई कमी से आमजन को मिलने वाले लाभों की जानकारी साझा की।

कार्यक्रम में खींवसर विधायक रेवन्त राम डांगा, जिला प्रमुख नागौर भागीरथ चौधरी, प्रधान प्रतिनिधि खींवसर जगदीश बिड़ियासर, लघु उद्योग भारती मेड़ता सिटी के रामवतार माहेश्वरी तथा हीरालाल भाटी सहित विभिन्न एसोसिएशनों के पदाधिकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

राशिफल शुक्रवार 26 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास शुक्ल पक्ष, चतुर्थी तिथि, शुक्रवार विक्रम सम्वत 2082, विशाखा नक्षत्र रात्रि 10.09 तक, विष्कुम्भ योग रात्रि 10. 50 तक, विष्टि करण प्रातः 9. 33 तक, चन्द्रमा दिम 3. 24 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-तुला, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में संचार करेगा।

आज कुमार योग 9.37 से रात्रि 10. 09 तक है। सवार्थ सिद्धि योग रात्रि 10. 09 से सूर्योदय तक है। रवियोग रात्रि 10. 09 से आरम्भ होगा।

आज भद्रा प्रातः 9. 33 तक रहेगी। आज उपांग ललिता व्रत, ललिता पंचमी है।

श्रेष्ठ चौघडिया - चट-सूर्योदय से 7.50 तक, लाभ-अमृत 7.50से 10.49 तक, शुभ 12.18 से 1.48 तक, चट 4.47 से सूर्यास्त तक

राहुकाल - 10.30 से 12.00 तक सूर्योदय 6.21 सूर्यास्त 6.18

मेष
परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पशचात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

वृष
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। मित्रों-रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेज समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

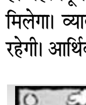

मिथुन
आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

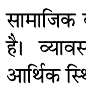

कर्क
परिवार में सुख शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों-परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

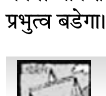

कन्या
आर्थिक वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक सम्पर्क बनेंगे। नौकरी पैशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बडेगा।

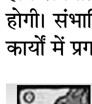

तुला
आर्थिक-वित्तीय मामलों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

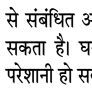

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

धनु
आर्थिक-वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

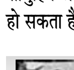

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामुहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक परेशानियां दूर होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

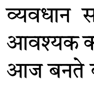

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड सकते हैं।

गिव अप अभियान प्रगति की समीक्षा

श्रीगंगानगर, (कासं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री सुमित गोदारा की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक हुई।

इस दौरान प्रभारी मंत्री ने विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। इनके प्रभावी क्रियान्वयन के साथ ही समयबद्धता और गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए।

बैठक में गिव अप अभियान प्रगति की समीक्षा करते हुए गोदारा ने कहा कि सक्षम होने के बावजूद खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ नहीं छोड़ने वालों को नोटिस जारी किए जाएं। साथ ही उनकी जानकारी सार्वजनिक करते हुए विभागीय नियमानुसार कार्रवाई की जाए। विद्युत व्यवस्था में सुधार और सुदृढ़ीकरण के लिए 33 केवी जीएसएस के प्रस्ताव भिजवाए जाएं। लाडो प्रोत्साहन योजना, कृषि एवं उद्यान सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा करते हुए जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि अधिकारी इन योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। बरसाती पानी की निकासी के लिए पाताल तोड़ कुएं बनाने के लिए नगर परिषद और नगर विकास न्यास को निर्देशित करते हुए गोदारा ने कहा कि बरसाती पानी नहीं ठहरेगा तो सड़कें क्षतिग्रस्त नहीं होंगी। सैनिक स्कूल के संबंध में कार्रवाई के लिए शिक्षा विभाग के अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन समयावधि में हो।

दीनदयाल उपाध्याय ने 'एकात्म मानववाद' की संकल्पना दी

बीकानेर, (कासं)। भारतीय जनसंघ के प्रखर विचारक और एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती सादगी व श्रद्धा के साथ मनाई जा रही है। उनके जीवन के कई प्रसंग आज भी समाज को प्रेरणा देते हैं। मुख्य वक्ता केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने उनके विचार, उनके दूरदर्शिता, उनके जीवन के सिद्धांतों को कार्यकर्ताओं के साथ साझा किए। मेघवाल ने कहा कि पंडित

- **अर्जुनराम मेघवाल ने उपाध्याय के विचार, उनकी दूरदर्शिता, उनके जीवन के सिद्धांतों को कार्यकर्ताओं के साथ साझा किया**

भारतीय जनसंघ के प्रखर विचारक और एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने शिरकत की।

दीनदयाल उपाध्याय ने पश्चिमी एकांतवाद की जगह भारतीय जीवन दर्शन पर आधारित 'एकात्म मानववाद' की संकल्पना दी। उनका कहना था कि व्यक्ति, समाज और प्रकृति तीनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। विकास तभी सार्थक होगा जब इनका संतुलन बना रहे। उनका अंत्योदय का विचार आज भी देश की नीतियों का मार्गदर्शन कर रहा है। उनका मानना था कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचना ही वास्तविक प्रगति है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन संदेश देता है कि सच्चा नेतृत्व सेवा, त्याग और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की भावना से ही पूर्ण होता है। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष सुमन छाजेड़, देहात अध्यक्ष श्यामसुंदर पंचारिया, ओबीसी प्रदेश अध्यक्ष चंपालाल गेदर, पूर्व जिला अध्यक्ष विजय आचार्य, अखिलेश प्रताप सिंह, जितेन्द्र राजवी, ओम सोनगरा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर अपने विचार रखे। मीडिया संयोजक कमल गहलोत ने बताया कि मंच संचालन श्याम सिंह हाड़ला ने किया। जयंती कार्यक्रम में ओबीसी प्रदेश उपाध्यक्ष महावीर चारण, जिला महामंत्री दिलीप सिंह राजपुरोहित, जिला उपाध्यक्ष दीपक पारीक, मोतीलाल हर्ष, अशोक प्रजापत, भूपेन्द्र शर्मा, सरिता नाहटा, सोहन प्रजापत, किशन मोदी, जिला मंत्री धर्मेन्द्र सिंह सोलंकी, सुनीता हटीला, झमकू देवी, तरूण स्वामी, रामचंद्र सोनी, सोशल मीडिया संयोजक चंद्रप्रकाश गहलोत, तरुण स्वामी, सह संयोजक चंद्रशेखर शर्मा, आई टी सेल संयोजक सुशील आचार्य, रामकुमार व्यास, मंडल अध्यक्ष प्रकाश मेघवाल, देवरूप सिंह, धर्मपाल डूडी, प्रेम गहलोत, आशा आचार्य, दिनेश चौहान, मोर्चा अध्यक्ष राजाराम सींगड, चंद्रमोहन जोशी, सोहन चांवरिया, भंवरलाल जांगिड़, अनिल शुक्ला, श्यामसुंदर चौधरी, सांगीलाल गहलोत, भवानी पाइवाल, विजय उपाध्याय, किशन गोदारा, आनंद सिंह, विजय उपाध्याय, मुकेश ओझा, कमल आचार्य, संजय गुप्ता, पुखराज स्वामी, सुषमा बिस्सा, राजश्री कच्छवा, भारती अरोड़ा, चंद शेखावत, निशांत गौड़, अंकित तंवर, शिव लाल तेजी, गजेन्द्र सिंह, मुकेश बन, दिनेश सांखला, कारण नायक सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे। सूरतगढ़, पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को बूथ संख्या 109 स्थित भाजपा नेता नरेंद्र कालड़ा मोनू के निवास स्थान पर एक भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

निगम ने किए 2.30 करोड़ के टेंडर

बीकानेर, (कासं)। शहर चलो प्रशासन अभियान के दौरान लग रहे शिविरों में टूटी सड़कें, फैरोकवर, नाली क्रॉस, खुले चैम्बर की सैकड़ों शिकायतें पहुंच रही हैं। अब तक आई शिकायतों के निस्तारण के लिए नगर निगम ने एआरसी से 2.30 करोड़ के टेंडर कर दिए। मगर चिंता की बात ये है कि कार्य की अवधि 3 महीने से 12 महीने तक रख दी। ऐसे में ठेकेदारों के पास तो समय रहेगा मगर जनता को तत्काल समाधान की जरूरत है।

दरअसल शिविरों में बारिश के बाद नगर निगम से ही जुड़ी ज्यादातर शिकायतें पहुंच रही हैं। इसमें टूटी सड़क, खुले मैनहोल, फैरोकवर, नाली क्रॉस, टूटी नाली, नालों को दुरुस्त कराने की मांग शामिल है। तमाम वार्डों से जब कॉमन मांगें पहुंची तो निगम ने एआरसी के तहत 2 करोड़ 30 लाख रूपए मंजूर कर दिए। एनआईटी लगा दी। एक जैसे कामों का पैकेज बनाया। उसके बाद उनको ठीक कराने के निर्देश दिए।

निगम कमिश्नर मयंक मनीष ने बताया कि बारिश के बाद गली-मोहल्लों से लेकर सड़कों पर कई तरह के नुकसान होते हैं। गड्ढे भी होते हैं। कुछ डैमेज भी होता है तो ये शिकायतें स्वाभाविक हैं लेकिन मैंने उन सबको एकजुट करके उसे एआरसी से कराने का निर्णय किया ताकि टेंडर की लम्बी प्रक्रिया से छुटकारा मिले और लोगों के समय पर काम हों। उन्होंने कहा कि एआरसी का जो 12 माह का समय है वो ये है कि 12 महीने के भी इन वार्डों में कभी भी और कहीं भी काम हो सकता है। ठेकेदारों को निर्धारित समय पर ही भुगतान दिया जायेगा।

सार-समाचार

567 चयनितों को नियुक्त पत्र सौंपे

जिला स्तरीय कार्यक्रम में एडीएम सिटी रमेश देव ने 567 चयनितों को नियुक्त पत्र सौंपे।

बीकानेर, (कासं)। एडीएम सिटी ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम में कुल 567 अभ्यर्थियों को बीकानेर में सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। जिनमें से 158 अभ्यर्थी पशुपालन के, 167 एलडीसी, 83 कनिष्ठ अनुदेशक, 01 छात्रावास अधीक्षक, 63 अध्यापक लेवल द्वितीय, 85 कनिष्ठ अभियंता और 10 वरिष्ठ अध्यापक शामिल थे। अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र के साथ दुपट्टा, पेन, डायरी, कर्तव्य दायित्व बुकलेट, प्रवेश पत्र, प्रमाण पत्र व बैज भी प्रदान किए गए। प्रधानमंत्री के बांसवाड़ा कार्यक्रम के समापन के बाद रविन्द्र रंगमंच पर एडीएम सिटी रमेश देव ने 16 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इनमें ज्योति सोलंकी, कमलेश, रचना मेघवाल, यशिका सिंह, देवेन्द्र खीचड़, अपूर्वा गहलोत, राजेश्वरी व्यास, मुनेश कुमारी, वर्षा सिंह, सरिता, महिपाल मेघवाल, अम्बिका कंवर, हितेश खत्री, मूल सिंह पडिहार, रेशमा खान, रामदयाल, राकेश बिश्नोई शामिल थे।

नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र

नई धानमंडी गंगानगर में आयोजित शिविर में प्रभारी मंत्री सुमित गोदारा ने नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र सौंपे।

श्रीगंगानगर, (कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में रोजगार उत्सव का राज्य स्तरीय कार्यक्रम गुरूवार को बांसवाड़ा में आयोजित हुआ। इसके तहत वीसी के माध्यम से जिला स्तरीय कार्यक्रम दी गंगानगर ट्रेडर्स एसोसिएशन नई धानमंडी श्रीगंगानगर के हॉल में सम्पन्न हुआ। इस दौरान अतिथियों ने विभिन्न विभागों में नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र सौंपे। नियुक्ति पत्र पाकर नवनियुक्त कार्मिकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सरकार का आभार जताया। इससे पूर्व अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में जिला प्रभारी मंत्री सुमित गोदारा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। निर्धारित समय पर पारदर्शी रूप से परीक्षाएं हो रही हैं और युवाओं को नौकरियां मिल रही हैं। इससे सरकार के प्रति युवाओं का विश्वास और मजबूत हुआ है। कार्यक्रम में पूर्व केन्द्रीय मंत्री निहालचंद, विधायक जयदीप बिहाणी, पूर्व मंत्री सुरेन्द्रपाल सिंह टीटी, शरणपाल सिंह मान, जिला कलेक्टर डॉ. मंजू, एडीएम प्रशासन सुभाष कुमार, जिला परिषद सीईओ गिरधर, नयन गौतम, भारत जयप्रकाश मीणा, स्वाति गुप्ता, डॉ. संजीव मलिक, प्रियंका बैलान, संतोष बावरी, सतपाल कासनिया, आत्माराम तरड़, रतनलाल गणेशगढ़िया, प्रदीप धेरड़, हनुमान गोयल, चेष्टा सरदाना सहित अन्य मौजूद थे। प्रीति गर्ग और भारत सिडाना ने मंच संचालन किया।

10.50 करोड़ से बनेंगे तीन नाले

बीकानेर, (कासं)। लम्बे समय से बीकानेर में नगर निगम वाली रोड पर सबसे ज्यादा जलभराव होता है। इसी सीरीज में अब ढोलामारू और कलेक्ट्रेट परिसर भी शामिल हो गया है। बारिश के दिनों में इन तीनों केन्द्रों के कारण पूरा शहर अस्तव्यस्त हो जाता है। अगले साल जनता को ये समस्या न हो इसके लिए नगर निगम ने प्लान बनाकर काम करना शुरू कर दिया है। डीएमएफटी से मिले 10.50 करोड़ रूपये से इन तीनों जगह नाले बनाए जायेंगे। दरअसल बीकानेर में 27 जलभराव वाले प्रमुख केन्द्र हैं। वल्लभ गार्डन और खुदखुदा नाला ऐसी जगह है जहां बड़े स्तर पर सुधार होना है। उसके लिए 59 करोड़ रूपये पहले से मंजूर होकर टेंडर हो गए हैं। मगर नगर निगम वाली रोड, कलेक्ट्रेट परिसर और ढोलामारू के सामने जल भराव प्रमुख समस्या बन गई। इसके निदान के लिए डीएमएफटी से 10.50 करोड़ रूपए कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने निगम को दिए हैं। निगम अब निगम रोड के पेट्रोल पंप के पास पंपिंग स्टेशन तैयार कराकर वहां से एक पाइप लाइन सीधे कीर्ति स्तंभ चौराहे वाले नाली में डालकर पानी निकालेगा। ढोलामारू के सामने से एक छोटा नाला बनेगा जो पीबीएम नाले से जुड़ेगा। इसी तरह कलेक्ट्रेट से एक छोटा नाला बनेगा जो सर्किट हाउस के पास वाले नाले से जुड़ेगा। ऐसा होने से बारिश का पानी इन तीनों जगह से तेजी से निकाल सकेगा।

युवक की सड़क हादसे में मौत

अनूपगढ़, (कासं)। अनूपगढ़ में नेशनल हाईवे 911 पर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। गांव बांडा से 11 एसजेएम की लिंक रोड पर रात करीब 9 बजे एक बाइक की अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक सवार 11 एसजेएम रोड पर जा रहा था। इस दौरान आगे जा रहे अज्ञात वाहन को युवक ने पीछे से टक्कर मार दी। आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। ग्रामीण घायल युवक को पहले बांडा के बस स्टैंड ले गए। वहां से एम्बुलेंस की मदद से उसे अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान उसके जेब से मिले आधार कार्ड से हुई। वह करणवीर सिंह पुत्र सलविंदर सिंह था। वह 44 पीएस रायसिंहनगर का रहने वाला था। सूचना मिलने पर परिजन और पुलिस अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने घटना की जानकारी ली।

लेटरल एंट्री के विरोध में डॉक्टरों की रैली, दो घंटे काम बंद रहा

बीकानेर, (कासं)। राज्य में लेटरल एंट्री को लेकर डॉक्टरों के बीच मतभेद बढ़ता जा रहा है। मेडिकल कॉलेज टीचर्स ने रैली निकाली। इस वजह से सुबह करीब दो घंटे तक पीबीएम हॉस्पिटल में मरीजों को देखने का काम बाधित रहा।

इस मतभेद का कारण नेशनल मेडिकल कमीशन की वह अधिसूचना है, जिसमें कहा गया है कि सेवारत चिकित्सकों को मेडिकल टीचर बनने का मौका दिया जाना चाहिए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग (ग्रुप-2) के 220 बेड वाले अस्पतालों में कार्यरत पीजी डिग्रीधारी चिकित्सा अधिकारियों को असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के रूप में सीधे नियुक्त करने के लिए कमेटी बना दी। मौका उन्हीं को मिलेगा, जो 2 से 10 साल तक सेवा दे चुके हैं। इसके विरोध में मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन की एक

- **मरीजों को 2 घंटे करना पड़ा इंतजार, ऑपरेशन का समय भी बढ़ा**

घंटे की पेन डाउन हड़ताल पिछले करीब एक सप्ताह से चल रही है। उन्होंने रैली निकाल पर विरोध प्रदर्शन किया। रैली मेडिकल कॉलेज से अम्बेडकर सर्किल होते हुए पीबीएम हॉस्पिटल कैम्पस पहुंचकर सभा में परिवर्तित हो गई। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. तुंदवाल ने कहा कि इस कमेटी का गठन चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है। कमेटी को तत्काल भंग किया जाना चाहिए।

चिकित्सा शिक्षकों ने चेतावनी दी है कि यह प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा, जब तक सरकार कमेटी को भंग नहीं करती। रैली में डॉ. संजय कोचर, डॉ. परमेन्द्र सिरोही, डॉ. गौरव शर्मा, डॉ. रजनीश वी. बरार, डॉ. अशोक लुनिया, डॉ. बी.सी. घीया, डॉ. रोहिताश कुलरिया, डॉ. नीलिमा अरोड़ा, डॉ. मुकेश बेनीवाल, डॉ. भागीरथ राम बिश्नोई, डॉ. दुर्गाशंकर, डॉ. मधुसूदन, डॉ. इंद्रपुरी, डॉ. ओमप्रकाश सिंह, डॉ. महेन्द्र सिसोदिया, डॉ. जी.एस. तंवर सहित करीब 300 टीचर्स शिक्षक शामिल हुए।

लेटरल एंट्री के दो घंटे के विरोध के चलते पीबीएम हॉस्पिटल में मरीजों की परेशानी बढ़ रही है। बुधवार को डॉक्टरों की रैली के कारण ऑपरेशन भी देर से शुरू हुए। सीनियर डॉक्टर सुबह 11 बजे तक आउटडोर और वार्डों में पहुंचे। हॉस्पिटल में करीब छह हजार मरीज रोज आते हैं। सीनियर डॉक्टर को दिखाने के लिए घंटों लाइन में लगना पड़ता है।

खाड़ी में बने सिस्टम से बढ़ेगी गर्मी

बीकानेर, (कासं)। म्यांमार से सटे बंगाल की खाड़ी में सर्कुलेशन सिस्टम बना हुआ है। आने वाले 24 घंटों में तेज होकर लो प्रेशर एरिया में तब्दील हो जायेगा। इस वजह से आने वाले दिनों में बीकानेर में तापमान में इजाफा तो होगा मगर बारिश की संभावना अब कम है।

मौसम विभाग के जानकारों के मुताबिक ये लो प्रेशर एरिया 26 सितम्बर के आसपास दक्षिणी उड़ीसा व उत्तरी आंध्र प्रदेश तट पर और तीव्र होकर अवदाब बनने की प्रबल संभावना है। इस कारण 28 सितम्बर से 3 अक्टूबर के दौरान राज्य के पूर्वी, दक्षिणी-पूर्वी व दक्षिणी भागों में बारिश की संभावना है। हालांकि मौसम विभाग की वेबसाइट में अभी बीकानेर में बारिश के कोई संकेत नहीं है मगर आसपास बादलों की आवाजाही से तापमान जरूर बढ़ सकता है। 30 सितम्बर तक दिन में गर्मी और बढ़ेगी तापमान 38 डिग्री तक पहुंचेगा।

फर्जी खातेदारी से जमीन हड़प कॉलोनी काटी

बीकानेर, (कासं)। ग्राम चकगर्बी में फर्जी खातेदारी से सरकारी जमीन हड़पकर कॉलोनी काटने का आरोप लगाते हुए मुक्ताप्रसाद पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

जस्सूसर गेट के बाहर निवासी चन्द्रप्रकाश गहलोत की ओर से इस्तगासे के जरिए मुक्ताप्रसाद पुलिस थाने में दर्ज मुकदमे में बताया गया है कि 19 बीघा 14 बिस्वा खातेदारी जमीन का 27 जून, 04 को कैम्प में इंतकाल दर्ज करा लिया गया। जमीन रतनी देवी की बताई गई, जबकि उसे ना तो जमीन के बारे में कोई जानकारी है और ना ही वह कभी जमीन पर काबिज रही है। उसके नाम का टीसी आवंटन रकबा भी नहीं रहा।

केवलचंद दत्तक पुत्र रतनी देवी माली, नवलखी राठी, मोहनलाल राठी, कपूरचंद राठी, रामस्वरूप राठी, नाथी देवी माली व मुरलीधर आचार्य ने आपसी मिलीभगत और धोखाधड़ी से

- **फर्जीवाड़ा से घपला किया और कैम्प में आनन-फानन में इंतकाल दर्ज करा लिया**

जमीन हथियाने के लिए फर्जी रतनी देवी को खड़ा कर घपला किया और कैम्प में आनन-फानन में इंतकाल दर्ज करा लिया।

हल्का पटवारी ने रिपोर्ट बताया है कि रतनी व जेठाराम के नाम से कोई भूमि सरकारी रिकॉर्ड में नहीं है। सरकारी भूमियों की खातेदारी नहीं दी जा सकती और इसकी जांच चल रही है। एसडीएम बीकानेर के कार्यालय में खातेदारी प्रदान करने की कोई पत्रावली उपलब्ध नहीं है। आरोपियों ने जालसाजी से दस्तावेज तैयार किए और जमीन के विक्रय पत्र अपने नाम करा कॉलोनी काट प्लाट बेच रहे हैं।

सीएचडी नहर में पानी की चोरी का प्रयास

छतरगढ़, (कासं)। सीएचडी नहर में रात्रि को फिर साइफन लगाकर पानी चोरी करने का प्रयास किसानों की सूझबूझ से विफल हो गया। किसानों के पहुंचने पर चोरी करने वाले साइफन लेकर मौके से भाग गए।

इस संबंध में किसानों ने छतरगढ़ जल संसाधन खंड के अधीक्षण अभियंता श्रीफल मीणा के कार्यालय में पहुंचकर विरोध जताया। लगातार हो रही पानी चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग की। भंवरलाल काजला, नानक राम ज्याणी, भीखाराम तर्ड, खींयाराम कुम्हार, तोलाराम खिलेरी, बृजलाल शर्मा, तुलसीराम शर्मा आदि ने बताया कि चलती नहर से साइफन लगाकर पानी चोरी करते हुए दो जनों को तीन दिन पूर्व पकड़ा था।

- **किसानों ने गश्त लगाई तो भागे पानी चोर, दो के खिलाफ मामला दर्ज**

उसी क्षेत्र के आसपास मंगलवार रात को भी साइफन लगाकर पानी चोरी का प्रयास किया गया। हम रात को पहुंचे तो उन्होंने हमें देख लिया और साइफन लेकर भाग गए। उन्होंने लगातार पानी चोरी से टेल पर बने उनके खेतों में हुए नुकसान को भरपाई के लिए अतिरिक्त पानी देने की मांग की। अधीक्षण अभियंता ने अधिशासी अभियंता सांवरमल, हल्का पटवारी को तत्काल जांच करने के निर्देश दिए।

चार मेडिकल स्टोर्स के लाइसेंस निलंबित

बीकानेर, (कासं)। जांच के दौरान विभिन्न अनियमितताएं पाये जाने पर चार मेडिकल स्टोर्स के अनुज्ञापत्र निलम्बित किए गए है।

अनुज्ञापन प्राधिकारी एवं सहायक औषधि नियंत्रक देवेन्द्र कुमार केदावत ने बताया कि सादुल कॉलोनी स्थित जयश्री कृष्णा मेडिकल स्टोर का अनुज्ञापत्र 6 अक्टूबर 1 दिन के लिए, कुचोर आथुनी स्थित विकास मेडिकल एंड जनरल स्टोर, 6 से 9 अक्टूबर तक 4 दिन के लिए, देशनोक स्थित श्री करणी इन्द्र मेडिकल का अनुज्ञापत्र 29 सितम्बर से 3 अक्टूबर एवं हमालों की बारी, छींपों की मस्जिद के पास स्थित मिश्कात मेडिकल एंड जनरल स्टोर का अनुज्ञापत्र 6 से 10 अक्टूबर तक 5 दिन के लिए निलंबित कर दिए गए हैं।

हेलमेट नहीं लगाने से ढाई साल में 27 लोगों की हादसों में मौत

बीकानेर, (कासं)। ये तो मात्र उदाहरण हैं जो बताते हैं कि बाइक चलाते समय हेलमेट नहीं लगाना मौत का कारण बन सकता है। ज्यादातर हादसों में बाइक सवार की मौत होने पर पुलिस की जांच में सामने आता है कि हेलमेट लगा होता तो जान बच सकती थी। मंगलवार की रात को भी जयपुर-जोधपुर बाईपास पर तीन युवकों को जान से हाथ धोना पड़ा। क्योंकि बाइक सवार युवकों ने हेलमेट नहीं लगा रखा था।

तीन सालों का पुलिस रिकॉर्ड खंगालने पर सामने आया कि हेलमेट नहीं लगाने से ढाई साल में 27 बाइक सवार लोगों की हादसे में मौत हो गई। इनमें लगभग सभी के सिर में गंभीर

- **जांच में आया कि बाइक चलाते समय हेलमेट नहीं लगाना मौत का कारण बना**

चोट लगी। अगर हेलमेट पहना होता तो शायद चोट ज्यादा गंभीर नहीं होती और जान बच सकती थी। ज्यादातर हादसे हाईवे पर ही हुए। बाइक सवार वाहनों की चपेट में तो आए ही, आवारा पशु अचानक सामने आने से संतुलन बिगड़ा और गिरने पर सिर में गंभीर चोट लगने से भी मौत हुई। मारे गए ज्यादातर बाइक सवार युवा थे जिनकी उम्र 18 से 40 के बीच थी। गंगाशहर, नाल, बज्जू, कोटगेट, पूगल, हदां, कालू पुलिस थानों ने हेलमेट बिना एक भी बाइक सवार की मौत नहीं बताई है।

बिना हेलमेट दुपहिया सवारों की सड़क हादसे में मौत रोकने के लिए खुद का जागरूक होना जरूरी है। स्वयं को तय करना होगा कि बिना हेलमेट बाइक या अन्य दुपहिया वाहन नहीं चलाना है। हेलमेट को नजरअंदाज करते समय अपने माता-पिता, बच्चों, भाई-बहनों के बारे में सोचना होगा। हादसों में ज्यादा जवान मौत होती है। पुलिस की जिम्मेदारी तो बनती ही है। शहरी क्षेत्र में प्रमुख रास्तों, चौराहों पर हेलमेट चैकिंग कर चालान काटा जाता है।

चकगर्बी कॉलोनियों के लोगों ने मास्टर प्लान 2025 पर आपत्ति दर्ज कराई

बीकानेर, (कासं)। सर्व कामगार सेवा संघ राजस्थान ने नगर नियोजन के मास्टर प्लान 2025 के विरूद्ध बीकानेर विकास प्राधिकरण में आपत्ति दर्ज करवाई। संघ के प्रदेशाध्यक्ष भंवर लाल पुरोहित के नेतृत्व में सैकडों कॉलोनीवासी एकत्रित हुए।

पूगल रोड स्थित चकगर्बी कॉलोनियों की एक बैठक का आयोजन कचहरी परिसर स्थित पब्लिक पार्क में की गई। बैठक की अध्यक्षता कॉलोनी वासी त्रिलोक चंद भाखर ने की। भाखर ने शुक्रवार शाम को 05 बजे प्रस्तावित बैठक में निर्धारित स्थान पर सभी को पहुंचने का भी आव्हान किया।

संघ के प्रदेशाध्यक्ष पुरोहित ने बताया कि 2023-24 के मास्टर प्लान में चकगर्बी स्थिति कॉलोनियों को रिहायशी क्षेत्र (आर जोन) अंकित किया था। लेकिन मास्टर प्लान 2025

सर्व कामगार सेवा संघ राजस्थान ने नगर नियोजन के मास्टर प्लान 2025 के विरूद्ध बीकानेर विकास प्राधिकरण में आपत्ति दर्ज करवाई।

में औद्योगिक क्षेत्र (इंड. जोन) दर्शाया गया है। अगर यह लागू होता है तो 50000 से अधिक आबादी क्षेत्र बेघर हो जायेगा। कॉलोनी वासियों ने एक सुर में कहा कि नगर नियोजन ने अपनी हठधर्मिता नहीं छोडी तो हजारों परिवार सड़कों पर उतरने को मजबूर हो जायेंगे। जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन व राज्य प्रशासन की होगी। बीडीए में आपत्ति दर्ज करवाने में संघ की संघर्ष समिति के आर. एस. हर्ष प्रदेश महामंत्री, धन्नादास जिला अध्यक्ष, त्रिलोक चंद भाखर, राजेन्द्र सैन, भरत सिंह, मांगीलाल, विक्रम सिंह, पूनम बिश्नोई, संतोष बिश्नोई, शंकर कूंकणा, गोविन्द पुरोहित, जयदेव रामावत, गोपाल सिंह, पूनम ज्याणी, श्रवण कुमार आचार्य, सहीराम चौधरी, तेजाराम भाट, महेन्द्र भाट, दलीप भाट, अनोप, दिनेश वैष्णव, विनोद रामावत, शंकर डेलू, राजू गोदारा, संपत बिश्नोई, राजूराम सुथार, बृजलाल पूनिया आदि मौजूद थे।

- **मास्टर प्लान लागू होता है तो 50000 से अधिक आबादी क्षेत्र बेघर हो जायेगा**

शिविर में हुआ खाता विभाजन

श्रीगंगानगर, (कासं)। गुरूवार को उपखण्ड गंगानगर की ग्राम पंचायत रोहिड़ावाली में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में प्रार्थी मुरलीधर महेन्द्र पाल पिसरान जाति सुथार निवासी रोहिडांवाली ने प्रार्थना पत्र दिया कि उनकी कृषि भूमि पटवार मंडल रोहिडांवाली चक 2 पी बड़ी संयुक्त खाता संख्या 42/35 में ब हि ब 2.252 हेक्टेयर नहरी दर्ज रिकॉर्ड है। संयुक्त खाता होने के कारण उन्हें केसासी का लाभ प्राप्त करने में परेशानी हो रही थी। सह काश्तकारों की सहमति, रिपोर्ट पटवारी हल्का रोहिताश एवं भू-अभिलेख निरीक्षक सुखदीप सिंह की रिपोर्ट के बाद नायब तहसीलदार आदराम नायक ने शिविर में ही खाता विभाजन आदेश जारी कर एक प्रति प्रार्थी गण को दी। शिविर में एक शुद्धिपत्र एवं 8 नामांतरण दर्ज कर काश्तकारों को राहत प्रदान की। साथ ही 42 किसानों को किसान गिरदावरी एप डाउनलोड करवाकर डिजिटल किसान गिरदावरी करने हेतु प्रेरित किया।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

क्रमांक :- LU2012/SGN/2025-26/101402 **लोक सूचना** दिनांक : 01.08.2025

श्री कुलदीप कुमार पुत्र श्री राम कृष्ण निवासी 77 मधुवन कॉलोनी, वर्द्ध आश्रम रोड, श्रीगंगानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का औद्योगिक (कृषि आधारित) प्रयोजनार्थ के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं./भूमि का विवरण	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1	चक 3 एफ छोटी तहसील व जिला श्रीगंगानगर	श्री कुलदीप कुमार पुत्र श्री राम कृष्ण	चक 3 एफ छोटी मुरब्बा नं. 10 के किला नं. 8/6 में 0.0501 है. किला नं. 8/7 में 0.0501 है. यथाकुल 0.1002 हैक्टेयर	कुल 0.1002 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 01.08.2025 को जारी की गयी। - प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियोजन / 2025/ **विज्ञप्ति** दिनांक : 25-09-2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि चक 2 ई छोटी मुरब्बा नं. 29 किला नं. 3 के भूखण्ड संख्या F-01 क्षेत्रफल 30'-0" X 60'-0" Feet का आवासीय पट्टा संख्या 9107 दिनांक 05.11.2018 द्वारा श्री जसकरण सिंह पुत्र श्री जीत सिंह निवासी श्रीगंगानगर के नाम से जारी है। आवेदक द्वारा उक्त भूखण्ड का आवासीय से वाणिज्यिक भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन किया है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 अनुसार एवं जोनल प्लान अनुसार प्रश्नगत क्षेत्र का भू-उपयोग आवासीय हेतु आरक्षित है। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर की अधिसूचना क्रमांक प. 11(8)नविवि)/2020 दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां की तालिका सं. 10 के अनुसार मास्टर प्लान/जोनल प्लान में 18 मीटर व उससे अधिक चौडाई की सड़कों के दोनों ओर सड़क की चौडाई का 1.5 गुणा तक मिश्रित भू उपयोग सीधे ही अनुमत है। मास्टर प्लान 2017-35 एवं राजस्थान भवन विनियम 2020 के प्रावधानों के अनुसार मिश्रित भू उपयोग में वाणिज्यिक भू उपयोग अनुज्ञेय है। राजस्थान सरकार नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन नियम, 2010, अधिसूचना दिनांक 28.10.2010, दिनांक 24.02.2021, दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधिया (Development Promotion & Control Regulations) के अनुसार पट्टे/लीजडीड में उल्लेखित उपयोग से चाहा गया परिवर्तित उपयोग दोनों ही मास्टर प्लान/जोनल डवलपमेंट प्लान के भू-उपयोग में (DPCR) के अनुसार अनुज्ञेय (परमिटेड) उपयोग में आने एवं तकनीकी मापदण्ड पूर्ण होने के कारण विभागीय अधिसूचनाओं के तहत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। उपरोक्त वर्णित भूखण्ड का आवासीय रूपान्तरित से मिश्रित (वाणिज्यिक) प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो वह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा। RajKaj Ref No.: 17949750 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

प्रधानमंत्री ने बांसवाड़ा से वीसी से तीन स्पेशल रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाई

यह रेल सेवाएँ राजस्थान के निवासियों को नए क्षेत्रों से जोड़ने का तथा उनके सफ़र को आसान बनाने का कार्य करेगी : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

■ **जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत, बीकानेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एवं उदयपुर सिटी-चंडीगढ़- उदयपुर सिटी उद्घाटन स्पेशल रेलसेवा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया**

जोधपुर, (कासं)। यात्रियों की सुविधा के लिए जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत, बीकानेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एवं उदयपुर सिटी-चंडीगढ़-उदयपुर सिटी उद्घाटन स्पेशल रेल सेवाओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को बांसवाड़ा से वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री ने बांसवाड़ा में आयोजित समारोह में दो वंदे भारत ट्रेन एवं एक एक्सप्रेस रेल सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पीएम मोदी ने कहा कि यह रेल सेवाएँ राजस्थान के निवासियों को नए क्षेत्रों से जोड़ने का कार्य करेगी तथा उनके सफ़र को आसान बनाने का कार्य करेगी। जोधपुर में आयोजित समारोह में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, सांसद राजेन्द्र गहलोत, पीपी चौधरी सहित जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समारोह में अश्विनी वैष्णण ने कहा कि जोधपुर से पुणे हैदराबाद चेन्नई और गांधीधाम के लिए प्रतिदिन आवृति वाली रेल सेवाएं प्रारंभ की गई है जो कि यहां के निवासियों की बहुत पुरानी मांग थी। इन रेल सेवाओं के संचालन से जोधपुर के निवासियों को व्यापार एवं शिक्षा के लिए बेहतर रेल सुविधाएं प्राप्त हो रही है। वैष्णव ने कहा कि पाली में शत प्रतिशत मिट्टी से निर्मित कुल्हड़ का उपयोग रेलवे में लिया जाएगा। उन्होंने जोधपुर-दिल्ली कैंट, बीकानेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत ट्रेन और उदयपुर सिटी-चंडीगढ़ रेल सेवा के प्रारंभ होने पर राजस्थान के निवासियों को शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर गजेन्द्र सिंह शेखावत ने अश्विनी वैष्णव का अभिनंदन करते हुए कहा कि विगत 11 वर्षों में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के बहुत से कार्य जोधपुर क्षेत्र में किए गए हैं, जिनमें स्टेशन रीडेवलपमेंट और शत प्रतिशत विद्युतीकरण कार्य सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा कि अश्विनी वैष्णव ने जोधपुर से विभिन्न स्थानों के लिए प्रतिदिन आवर्ती वाली ट्रेनों का संचालन कर क्षेत्र को सौग़ात प्रदान की है। उन्होंने बताया कि जोधपुर स्टेशन के रीडेवलपमेंट का कार्य लगभग 500 करोड़ की लागत से किया जा रहा है जो कि भविष्य में आमजन के लिए बेहद उपयोगी होगा।

पाली सांसद पी पी चौधरी ने संबोधित करते हुए विगत समय में पाली स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव को मंज़ूरी करने के लिये रेल मंत्री का आभार व्यक्त किया एवं पाली स्टेशन के रीडेवलपमेंट कार्यों को प्रारंभ करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।अश्विनी वैष्णव ने पाली स्टेशन का निरीक्षण किया एवं अधिकारियों को कार्य निष्पादन हेतु दिशा निर्देश प्रदान किए। जोधपुर स्टेशन के निरीक्षण के दौरान अश्विनी वैष्णव ने स्टेशन रीडेवलपमेंट कार्यों की समीक्षा की एवं अधिकारियों को दिशा निर्देश प्रदान किए। वैष्णव ने इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि जोधपुर स्टेशन को स्थानीय विरासत के अनुरूप अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कार्य प्रगति के बारे में जानकारी प्रदान की।

घर में घुसकर आगजनी करने वाले युवक की उपचार के दौरान मौत

■ **हादसे में झुलसी युवती व उसकी मां का उपचार जारी**

उदयपुर, (निसं)। घर में घुसकर ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर आगजनी करने से झुलसे युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि झुलसी युवती व उसकी मां का उपचार जारी है।

जानकारी अनुसार 19 सितंबर रात में शहर के सविना क्षेत्र में स्थित मकान में घुस आरोपी सीताराम उर्फ हितेश पुत्र कालूलाल निवासी ओगणा फलासिया ने ज्वलनशील पदार्थ जमीन पर उडेल कर लाइटर से आगजनी कर दी थी, जिसके चलते हितेश व मकान में रहने वाली युवती व उसकी मां गभीर झुलस गए थे। इसका पता चलने पर पड़ोसियों ने 108 की मदद से तीनों को उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां सीताराम उर्फ हितेश की मौत हो गई। एएसआई चतरसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा। घटना वाली रात में आरोपी स्कूटी लेकर पीड़िता के घर पहुंचा, जहां गेट तोड़ अंदर घुस पेट्रोल जमीन पर उडेल कर लाइटर से आग लगा दी, जिससे सीताराम उर्फ हितेश व युवती तथा उसकी मां झुलस गए। इसको देख चिल्लाने पर आए पड़ोसियों ने आग पर काबू कर सभी को चिकित्सालय पहुंचाया था। मामले में पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। आरोपी सीताराम साउंड बजाने का काम करता है एवं युवती किसी फाइनेंस कंपनी में काम करती है।

जेवर व नकदी से भरा बैग चोरी

उदयपुर, (निसं)। सुखेर थाना क्षैत्र में अज्ञात नकाबपोश बदमाश कार से जेवर व नकदी से भरा बैग चुरा ले गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार फालना पाली हाल कविता सुखेर निवासी संतोष कुमारी पत्नी विजय कुमार मेवाड़ा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 23 सितंबर रात में नाथद्वारा रोड़ पर स्थित होटल पर कार खड़ी कर खाना खाने गई। इस दौरान कोई बैग चुरा ले गया।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd., JAIPUR

No. NIT/2025-26/20596-607 Date: 24.09.2025

निविदा सूचना/2025-26

निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण	कार्य की कुल अनुमानित लागत (रू.)	निविदा सूचना संख्या
Construction of ROB Near Kishangarh-Khairthal-Kotputli Road on Rewari-Alwar Section. UBN: RRC2526WLOB00696	2553.20 Lakh	ई-372/ 25-26
SITC of MGPS & MOT work for IPD Block at Mahila Chikitsalaya, Sanganery Gate, Jaipur. UBN: RRC2526WSOB00695	482.26 Lakh	ई-375/ 25-26

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित संपूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc. rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। महाप्रबन्धक

कार्यालय नगर परिषद, जालोर (राजस्थान)

क्रमांक :- नपजा/विकास/2025-26/4284 दिनांक :- 18/09/2025

ई-निविदा सूचना 04/2025-26

यत् नगर परिषद जालोर द्वारा निम्नांकित स्थानों पर सिविल निर्माण कार्य हेतु उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार एवं मान्यता प्राप्त यथाः नगर निगम/परिषद/पालिका एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्रों में E-Procurement प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्य एवं ई-निविदाओं के संबंधित विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in डाउनलोड व अपलोड एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है। NIB Code : DLB2526A5964

आयुक्त
नगर परिषद, जालोर

राज.संवाद/सी/25/10845

11 माह से 2000 गौशालाओं का अनुदान अटका

■ **गौ ग्राम सेवा संघ राजस्थान के राज्यव्यापी आव्हान पर ज्ञापन प्रेषित किया**

बीकानेर, (निसं)। गौ ग्राम सेवा संघ राजस्थान के राज्यव्यापी आव्हान पर गुरुवार को जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री, गोपालन मंत्री, सचिव गोपालन, डायरेक्टर गोपालन को ज्ञापन प्रेषित किया गया। इस ज्ञापन में राजस्थान की 2000 गौशालाओं के पिछले 11 माह से अटके अनुदान के लिए संघर्ष करने की चेतावनी दी। ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री को सूचना प्रेषित की गई, यदि एक दो दिवस में अनुदान की राशि गौशालाओं के खाते में नहीं आती है तो विवश होकर गौशालाओं को बड़े आंदोलन का रास्ता पकड़ना पड़ेगा, जिसका समस्त दायित्व राज्य सरकार का होगा।

संगठन के सूरजमालसिंह नीमराना ने बताया कि आज 11 माह बीत जाने के बाद भी राजस्थान की 2000 गौशालाओं को अनुदान नहीं मिला है, जबकि सरकार के पास में गौ संवर्धन निधि कोष से संचित राशि प्राप्त मात्रा में थी, परंतु राज्य सरकार ने उस राशि का उपयोग अन्यत्र कार्य में कर लिया, इसलिए गौशालाएं अनुदान से वंचित रह रही है। हमारा नवंबर 2024 से 31 मार्च 2025 तक का 900 करोड़ का अनुदान अटका हुआ है। अभी तक 2000 गौशालाएं अनुदान से वंचित है। नीमराना ने बताया कि यदि राज्य सरकार आगामी दिनों में अनुदान का वितरण नहीं करती है तो, अधिकांश गौशालाएं गौवंश को छोड़ने पर विवश हो जाएगी और इसका पूर्ण दोष राज्य सरकार का होगा। वर्तमान में यदि समय पर अनुदान मिलता तो, गौशालाएं चारा खरीद सकती थी। यदि हम बीकानेर जिले की बात करें, अभी तक 178 गौशालाओं में से मात्र 53 गौशालाओं को अनुदान मिला है, शेष 125 गौशालाओं के 40 करोड़ रुपए का राज्य सरकार भुगतान नहीं कर रही है। संघ के निरंजन सोनी ने कहा कि यदि राज्य सरकार आगामी दो-तीन दिन में अनुदान का भुगतान नहीं करती है तो विवश होकर पूरे राजस्थान में गौशाला संचालक सामूहिक अनशन पर जाने की चेतावनी देते हैं। सरकार अपने विचारों में सुधार करें और भविष्य में गौ संवर्धन निधि के पैसे को खुर्द-बुर्द नहीं करें, यह अंतिम चेतावनी है। ज्ञापन में सुनील व्यास, प्रेम कुमार गोदारा, प्रेम सिंह घूमान्दा, चंदवीर सिंह, बलदेव दास भदानी, ओम पुरोहित, त्रिलोक मारू, गोपी किशन अग्रवाल, अनूप गहलोत, उमाशंकर सोलंकी आदि ने भाग लिया।

पीएम मोदी को काले झंडे दिखाने जा रहे उदयपुर के कई अधिवक्ता हिरासत में

■ **हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर बांसवाड़ा में पीएम मोदी को काले झंडे दिखाने जा रहे थे**

■ **बार एसोसिएशन पूर्व अध्यक्ष सहित कई वरिष्ठ अधिवक्ता हिरासत में, बाद में छोड़ा**

उदयपुर, (कासं)। हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर गुरुवार को बांसवाड़ा में पीएम मोदी को काले झंडे दिखाने जा रहे उदयपुर के कई अधिवक्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष राकेश मोगरा सहित कई अधिवक्ताओं को पुलिस ने अंबाफला टोल नाके पर रास्ते में ही रोक हिरासत में लिया और बाद में उनको छोड़ दिया गया।

नाराज अधिवक्ताओं ने सड़क पर लेटकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। फिर वे नारेबाजी करते हुए आगे बढ़े तो पुलिस ने समझाइश का प्रयास किया। अधिवक्त नहीं माने। उन्हें पूर्व अध्यक्ष राकेश मोगरा और भरत वैष्णव सहित कई अधिवक्ताओं को उनके दोनों हाथ-पैर से पकड़कर उठाया और गाड़ी में बैठाकर ले गए। हालांकि बाद में उनको छोड़ दिया गया गया। इनके साथ वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश नंदवाना, रामकृपा शर्मा, अरुण व्यास, कमलेश दाणी, शंभू सिंह, जितेन्द्र सिंह लखारी, भरत वैष्णव, कमलेश दवे और सचिव अभिषेक कोठारी को भी हिरासत में लिया गया। बाद में उन्हें छोड़ दिया। इधर बार एसोसिएशन अध्यक्ष चन्द्रभान सिंह, महासचिव महावीर प्रसाद शर्मा और उपाध्यक्ष देवीलाल जाट सहित कई अधिवक्त आसपुर पहुंच गए। वहां पुलिस ने इन्हें रोका और हिरासत में लेकर बाद में छोड़ दिया।

उल्लेखनीय है कि उदयपुर में हाईकोर्ट बेंच की मांग का लेकर लंबे समय से धरना-प्रदर्शन जारी है। बांसवाड़ा में गुरुवार को पीएम मोदी की यात्रा के दौरान अधिवक्ताओं ने काले झंडे दिखाने की चेतावनी दी थी। अधिवक्ताओं ने कहा था कि अगर उन्हें मोदी से नहीं मिलने दिया गया तो वे काले झंडे दिखाएंगे।

कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक, वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, कोटा (राज.)

पता-प्रथम तल जिला परिषद भवन सीएडी कोटा, पिन कोड 324009

क्रमांक- लेखा/2025-26/2340-41 दिनांक-17.09.2025

NOTICE INVITING BID, NIB NO. 09 YEAR 2025-26

Bids for NRM Works, estimated value INR 305.61 Lacs are invited from interested bidders up to 6.00 PM 08.10.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.

NIB NO. WSC2526A0725, UBN NO. WSC252WSOB01259, WSC252WSOB01260, WSC252WSOB01257, WSC252WSOB01258

(अशोक कुमार अम्बेश)
अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद, कोटा

DIPR/C/14013/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड खानपुर

क्रमांक-780 दिनांक-16.09.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 12/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन निर्माण/मरम्मत कार्यों के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/कन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के ''एए'', एवं ''ए'' ''बी'', ''सी'', ''डी'' श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट "www.diproline.org", "www.eproc.rajasthan.gov.in" तथा "www.pwd.rajasthan.gov.in" पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

UBN NO. (1) PWD2526WSOB12431, (2) PWD2526WSOB12432

अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि. खण्ड खानपुर

DIPR/C/13853/2025

ए.ई.एन. भर्ती परीक्षा 28 को

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने सहायक अभियंता संयुक्त प्रतियोगी (प्रारंभिक) परीक्षा-2024 के प्रवेश पत्र गुरुवार को अपलोड कर दिए हैं। यह परीक्षा 28 से 30 सितंबर तक अजमेर और जयपुर में आयोजित की जाएगी। आयोग ने परीक्षा के लिए दोनों जिलों में 160 परीक्षा केंद्र बनाए हैं।

एईएन के 1014 पदों के लिए यह परीक्षा तीन दिन तक आयोजित की जाएगी। पहले दिन 28 सितंबर को सुबह 10 से 12 बजे तक सामान्य ज्ञान और सामान्य विज्ञान का पेपर होगा और दोपहर 3 से 5 बजे तक सिविल इंजीनियरिंग का पेपर होगा। 29 सितंबर को सुबह इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और दोपहर में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की परीक्षा होगी। 30 सितंबर को सुबह एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग की परीक्षा आयोजित होगी। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट और एसएसओ पोर्टल पर आवेदन क्रमांक व जन्मतिथि दर्ज कर प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। आयोग के अनुसार परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने के 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जाएगा। इसके बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं मिलेगा।

डॉ. प्रभात सिंघल को लाइफ टाईम अचीवमेंट सम्मान मिलेगा

जयपुर/कोटा, (निसं)। युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच (पंजीकृत न्यास) नई दिल्ली की ओर से मौलिक सृजन के प्रोत्साहन एवं हिंदी साहित्य-संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान हेतु वर्ष-2025 के शीर्षस्थ सम्मान देश के विभिन्न राज्यों के चयनित आठ साहित्यकारों को दिए जाने की घोषणा की गई है। इनमें कोटा राजस्थान के जाने माने साहित्यकार और सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सेवानिवृत संयुक्त निदेशक डॉ. प्रभात कुमार सिंघल भी शामिल है। यह सम्मान आगामी 2 नवंबर को दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी (गीतांजलि सभागार) में आयोजित 12 वें अखिल भारतीय साहित्य महोत्सव एवं सम्मान समारोह में प्रदान किए जाएंगे। युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच के अध्यक्ष रामकिशोर उपाध्याय के मुताबिक डॉ. प्रभात कुमार सिंघल को स्व. डी.पी.चतुर्वेदी स्मृति लाइफ टाईम अचीवमेंट सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। उपाध्याय ने बताया कि पुरस्कार राशि के अतिरिक्त मंच की ओर से सभी पुरस्कार गृहीताओं को सम्मान पत्र, शाल और प्रतीक चिन्ह प्रदान किए जायेंगे।

नदी की सपाट पर पानी में डूबने से पिता-पुत्र की मौत

रूपवास, (निसं)। गांव देवरी के पास गम्भीर नदी की सपाट पर पानी में डूबने से पिता-पुत्र की मौत हो गई। इस सूचना पर तुरंत ही एएसपी हरीराम कुमावत, सीओ नीरज भारद्वाज, थानाधिकारी चंद्रमोहन व घाटोली चौकी इंचार्ज होरीलाल गुर्जर व एएसआई राकेश सेन मय जाब्ता के मौके पर पहुंचे। इसी दौरान विधायक डॉ. ऋतु बनावत भी देवरी की सपाट पर पहुंच गई। तब तक ग्रामीणों ने पिता गोपाल तेली के शव को स्थानीय ग्रामीण गोताखोरों की मदद से ढूंढ निकाला, लेकिन पुत्र साहिल उर्फ फौजी का शव नहीं मिलने पर भरतपुर से एसडीआरएफ की टीम को बुलाया। तो टीम के सदस्यों ने पुत्र साहिल के शव को गम्भीर नदी की रपट में से बाहर निकाला। इसके बाद दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। घाटोली चौकी इंचार्ज होरीलाल ने बताया कि सुबह पिता गोपाल पुत्र अल्लाबख्श व पुत्र साहिल पुत्र गोपाल तेली निवासी देवरी नयागांव के डूबने की सूचना मिलते ही मौके पर जाकर शवों को निकलवाने की कार्यवाही की। इसके बाद शवों को निकलवाया गया।

Rajasthan Financial Services Delivery Limited

(A Government of Rajasthan Undertaking), Registered Office : 3rd Floor, REIL House, Shipra Path, Mansarovar, Jaipur-302020 (Raj.), E-Mail : rfsdl@rajasthan.gov.in

No. :- F.5 (117) RFSDL/Earned Salary & Pension/2025 Jaipur, Dated :- 24/09/2025

Expression of Interest

Proposals for Expression of Interest regarding empanelment of Service Provider(s) /Financial Institution(s) / Bank(s) or Non-banking Financial Company(s) to provide facility of "Earned Salary/Pension Advance Drawls Access Scheme" (one month, three month and up to 24 months advance) for employees/pensioners of Govt. of Rajasthan/Undertaking are invited up to 11:00 A.M. on dated 09.10.2025. For details may be visited on https://sppp.rajasthan.gov.in.

Contact Person: M.H. Ansari (DGM), Mobile No. 9461119111

UBN - FGT2526SSOB00016

Raj.Samwad/C/25/10831 Executive Director (Adm.)

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल, कोटा

Email : nnksouth@gmail.com, Website : www.urban.rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142

क्रमांक :- ननिको(द.)/जनस्वा./2025/8919 - 30 दिनांक :- 24/09/2025

ई-निविदा सूचना

नगर निगम कोटा दक्षिण सीमा क्षेत्र के पार्कों में Waste to Wealth Park स्थापित करने का कार्य (बजट घोषणा सं. 129.29.00/2025-26 अन्तर्गत) हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्ते इत्यादि नगर निगम कोटा दक्षिण की वेबसाईट https://kotamcsouth.org/, http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। अन्य जानकारी हेतु नगर निगम के प्रशासनिक भवन में कमरा नं0 239 में सम्पर्क कर सकते है।

(अनुमानित लागत रू. 30.00 लाख)

UBN No. - B2526WSOB19631

उपायुक्त
नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/10843

हत्या के सात दोषियों को आजीवन कारावास

कोटा, (निसं)। मारपीट कर हत्या के साढ़े सात साल पुराने मामले में महिला उत्पीड़न क्रम-2 न्यायालय ने पकड़े गये सात आरोपियों को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर लोक अभियोजक रामहेत कुमार सैनी ने बताया कि 2 मार्च 2018 को ग्रामीण इलाके के मंडाना थाने में फरियादी हेमराज ने रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि वह ढाणी कसार का रहने वाला है। दिन के समय घर के बाहर बैठा था, तभी अमित रणजीत, पिंटु उर्फ धनराज, राकेश, लोकेश, कमलेश एवं दीपक हाथ में लकड़ियां लेकर आये और उसे रोककर बिना वजह उसके साथ मारपीट की एवं बचाव के लिये आये उसके लड़के व उसके पिता हीरालाल के साथ भी मारपीट की। मारपीट में तीनों को चोट आई। पुलिस ने रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर कार्रवाई की। घायल हीरालाल की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई करते हुए अमित रणजीत, पिंटु उर्फ धनराज, राकेश, लोकेश, कमलेश एवं दीपक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले में अनुसंधान कर सभी आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया।

लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने शराब ठेके के सैल्समेन के साथ लूट के दर्ज मामले में विष्णु मालवीय एवं गोलू सिकलीगर को गिरफ्तार किया है। शहर एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 19 सितम्बर को फरियादी किशन सिह ने गुमानपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में कहा कि वह शराब के ठेके पर सैल्समेन का काम करता है। वह और उसका साथी हरीश दुकान से केश लेकर निकले तभी शिवराज, अजय, गोलू सिकलीगर, विष्णु व दो अन्य ने मिलकर मारपीट की एवं चाकू की नोंक पर दुकान का केश व हरीश का मोबाइल छीन ले गये।

युवक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के खारड़ा (आसींद) निवासी जीवराज लोहार (23) की बुधवार देर शाम ट्रेन से कटने से मौत हो गई। परिजनों के अनुसार जीवराज सुबह घर से चित्तौड़ जाने की बात कहकर निकला था और शाम तक लौट आने की बात कही थी। बताया जा रहा है कि नींद आने की वजह से जीवराज भीलवाड़ा स्टेशन पर नहीं उतर पाया। स्टेशन निकल जाने के बाद हड़बड़ाहट में हादसा हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस को उसकी जेब से ट्रेन का टिकट भी मिला है। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया और परिजनों को सूचना दी।

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्

भू- तल, ब्लॉक-6, डॉ.एस. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर, फोन नं: 0141-2700459, E-Mail:- RAJSMSA.CIVIL@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांक :- F-5(1)(294)RCSCE/Civil /SMSA/NIT 08 2025-26 /Vol-5/2025/D- 4067 दिनांक :- 24/09/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 08 (सिविल)/2025-26

(राजकीय विद्यालय/केजीबीवी/हॉस्टल के निर्माण कार्यों हेतु)

राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों से समग्र शिक्षा वार्षिक कार्य योजना एवं बजट वर्ष 2024-25, 2025-26, DAJGUA (2024-25, 2025-26), PM JANMAN (2025-26), राज्य मद, नाबार्ड आर.आई.डी.एफ. XXIX योजनान्तर्गत स्वीकृत 40 राजकीय विद्यालय/केजीबीवी/हॉस्टल/डाईट के निर्माण कार्यों हेतु राशि रू. 9972.46 लाख (प्रति कार्य की राशि रूपये 98.98 लाख से 413.73 लाख के मध्य) बाबत् कार्यवार ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदाऐं 26/09/2025 प्रातः 10.00 बजे से 15/10/2025 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। UBN No. : RSE2526WSOB01444

- निविदा से सम्बधित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट http://rajsmsa.nic.in, http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
- निविदा से सम्बन्धित प्रक्रिया जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा कार्यालय सम्बन्धित जिला के स्तर से की जावेगी।

राज.संवाद/सी/25/10826 राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा

पाली में मिट्टी से निर्मित कुल्हड का उपयोग रेलवे में किया जायेगा : रेल मंत्री वैष्णव

■ **केन्द्रीय रेल मंत्री वैष्णव पाली दौरे पर रहे, स्टेशन का निरीक्षण किया**

■ **वैष्णव ने हेमावास में चूडी व्यवसाय, लघु उद्योग, कुल्हड बनाने व सेवा समिति में सिलाई प्रशिक्षण का अवलोकन किया**

केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

पाली, (निसं)। केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव गुरूवार को जिले के संक्षिप्त दौरे पर रहे। रेल मंत्री वैष्णव गुरुवार प्रातः पाली के रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां उनका जन प्रतिनिधियों व अधिकारियों ने अगवानी व स्वागत किया। इस अवसर पर रेल मंत्री ने स्टेशन का निरीक्षण किया और वहां पर लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने मीडिया से बात करते हुये कहा कि पाली से जालोर से होकर पाली-दिल्ली के लिये भविष्य में ट्रेन प्रारंभ होगी। साथ ही स्टेशन का भी जल्द ही कायाकल्प होगा। इसके बाद वे पाली के सर्किट हाउस पहुचे, जहां उन्होंने जिले के जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की व चर्चा की।

इस अवसर पर जिला प्रभारी मंत्री झाबर सिंह खर्रा, सांसद पी पी चौधरी, मारवाड़ विधायक केसाराम चौधरी, आईजी जोधपुर, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, जिला कलेक्टर एलएन मंत्री, जिला पुलिस अधीक्षक आदर्श सिंद्धू, पूर्व सभापति महेन्द्र बोहरा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर, रेलवे के अधिकारी, प्रधान मंगलाराम देवासी, सुनील भंडारी, त्रिलोक चौधरी, पुखराज पटेल आदि मौजूद रहे। इसके बाद रेल मंत्री हेमावास पहुंचे, वहां पर उन्होंने चूड़ी बनाने के व्यवसाय का अवलोकन किया और वहां इस कार्य में लगे परिवारजनों से मिले और चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने हेमावास में नीचे बैठ कर महिलाओं से संवाद कर आत्मनिर्भर बनने के बारे जाना। इसके बाद रेल मंत्री वैष्णव नया गांव रीको एरिया में लघु उद्योग भारती गये जहां पर उन्होंने कुल्हड बनाने की प्रक्रिया मशीन व कुल्हडों को देखा और कहा कि इनकी क्वालिटी अच्छी है और इससे परम्परागत लघु उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने वहां घोषणा की कि पाली में बने कुल्हड का उपयोग रेलवे में किया जायेगा। उन्होंने इस अवसर पर वहां कार्य कर रहे कामगारों से भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार की भी मंशा है कि स्वरोजगार, स्कील डवलपमेंट, महिला सशक्तिकरण में अधिक से अधिक लोग आगे बढ़े इसके लिये विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों सहित, उद्योग केन्द्र महाप्रबन्धक रज्जाक अली, उद्योग भारती में विनय बम्ब, रवि मोहन, राहुल मेहता, महेन्द्र तातेड़, नरपत सिंह सोलंकी गणमान्यजन आदि मौजूद रहे।

इसके बाद रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव सेवा समिति गये जहां उन्होंने आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया और वहां महिलाओं के सिलाई प्रशिक्षण, साधन रोजगार आय, मेहंदी का कार्य, ब्यूटी पार्लर के कार्य को देखा और इस माध्यम से आ रहे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव के बारे मे जानकारी ली। कार्यक्रम में उन्होंने महिलाओं से बातचीत कर जानकारी ली और वहां बन रहे बैग को देखा और उसे सराहा और कहा कि ये अच्छी क्वालिटी का है ये अनेक उपयोग में लिया जा सकता है।

इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि सभी जगह का चूडी का, सिकोरे का काम देखा और यहां पर सिलाई आदि का कार्य देखा और बहुत अच्छा लगा। उन्होंने कहा ये सारे काम हम अपने घर से कर सकते हैं। साथ ही कहा कि पाली के स्टेशन का नवनिर्माण करेंगे और उसे बहुत सुन्दर बनायेंगे। उन्होंने इस अवसर पर उसके डिजाईन का चित्र भी दिखाया। इस अवसर पर कार्यक्रम को अन्य वक्ताओं ने भी सम्बोधित किया और पूर्व विधायक पारख ने वहां चल रही गतिविधियों की जानकारी दी।

राजस्थान सरकार
कार्यालय मैनेजर सर्किट हाउस, जालोर

क्रमांक-वि.भ.जा./2025-26/168 दिनांक-10.09.225

-खुली बोली सूचना संख्या 1/2025-26-

विश्राम भवन, जालोर के कुशल संचालन हेतु मानव संसाधन की सेवाओं के जॉब बेसिस पर उपापन हेतु योग्य कार्मिकों की सेवाएं लिये जान हेतु जीएसटी विभाग में पंजीकृत संवेदक/सेवा प्रदाता से सिंगल स्टेज दो लिफाफा बिड की मुहरबंद खुली बोली आमंत्रित की जाती है। बोली के संबंध में विवरण निम्नानुसार है-

क्र. सं.	मानव संसाधन सेवाओं का विवरण	अनुमानित लागत रू. (लाखों में)	बोली प्रतिभूति राशि (रुपये में) डीडी/बैंकर चैक स्वीकार नहीं होंगे	बोली शुल्क (रुपये में	बोली प्रपत्र पोर्टल से डाउनलोड व करने की तिथि एवं समय	बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	बोली खोलने की तिथि
1.	कुक-2 (कुशल श्रेणी)	10.86	21720 रु. का चालान संबंधित हैड में 8443-00-103-00- जमा करवाये	500 रु. का चालान संबंधित 0075-00-800-52-01	प्रकाशन तिथि से दि. 03.10.2025 को सुबह 10.00 बजे तक	दिनांक 03.10.2025 को प्रातः 10.30 बजे तक (up to 10.30 am)	03.10.25 को दोपहर 12.00 बजे
2.	बागबान-2 (कुशल श्रेणी)						
3.	वेटर-2 (कुशल श्रेणी)						
4.	सफाई कार्मिक-4 (अकुशल श्रेणी)						

नोट-
(1) बोली सम्बन्धी प्रपत्र एवं शर्ते प्रबंधक, विश्राम भवन, जालोर में कार्यालय समय में एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
(2) बोली शुल्क राशि व प्रतिभूति राशि को विभाग D.S. General Admn. (Ka) Department में 19595-Manager, CH, Jalore के नाम से बना कर हार्ड कापी के साथ चालान की प्रति संलग्न कर दस्तावेज तकनीकी लिफाफे में डालकर भौतिक रूप से प्रबंधक, विश्राम भवन, जालोर के कार्यालय में दिनांक 03.10.2025 को प्रात 10.30 बजे तक जा करवाना आवश्यक है। बिना बोली शुल्क व प्रतिभूति शुल्क की निविदा मान्य नहीं होगी।
(3) बोलिया निर्धारित प्रपत्र में की स्वीकार की जायेगी। निर्धारित तिथि व समय के बाद प्राप्त बोलीया स्वीकार नहीं की जावेगी।
(4) किसी भी बोली को बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत/रद्द करने का अधिकार उपापन समिति को होगा।

DIPR/C/14054/2025 प्रबंधक, विश्राम भवन जालोर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती मनाई

दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती पर 'एकात्म मानवदर्शन' पर व्याख्यान और रोजगार मेला आयोजित

जयपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति द्वारा उनकी 109वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को जयपुर स्थित धानक्या रेलवे स्टेशन परिसर में 'एकात्म मानववाद से एकात्म मानवदर्शन की विकास यात्रा' विषयक स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक एवं प्रदर्शनी स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं विचार

■ **वासुदेव देवनानी, अरुण जैन, गोपाल शर्मा सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे**

देवनानी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक एवं प्रदर्शनी स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

गोष्ठी के साथ-साथ एक भव्य रोजगार मेले का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि विधायक गोपाल शर्मा विशिष्ट अतिथि रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख अरुण जैन ने मुख्य वक्ता के रूप में एकात्म मानववाद की अवधारणा पर विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्योगपति एवं समाजसेवी विजेंद्र सिंह ने की।

मुख्य वक्ता अरुण जैन ने अपने संबोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय सोच और संस्कृति के अनुकूल राजनीतिक और सामाजिक दर्शन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि उपाध्याय जी का दिया गया 'एकात्म मानववाद' केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि भारतीय समाज के समग्र विकास का मार्ग है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक गुरुजी ने इसे परिपूर्ण मानव का दर्शन कहा, वहीं दत्तोपंत ठेंगड़ी ने इसे एकात्म मानवदर्शन के रूप में देखा।

मुख्य अतिथि वासुदेव देवनानी ने कहा कि पंडित दीनदयाल जी ने विपरीत परिस्थितियों में भी सामान्य जीवन जीते हुए राष्ट्र को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि वे संगठन के माध्यम से जनसेवा को सर्वोच्च मानते थे और जनसंघ में रहकर उन्होंने भारतीय राजनीति में वैचारिक संतुलन और नैतिक मूल्यों की नींव रखी।

विशिष्ट अतिथि गोपाल शर्मा ने कहा कि जब दीनदयाल जी जनसंघ के अध्यक्ष बने, तब उन्होंने देश में जनजागरण का कार्य शुरू किया और नई राजनीतिक दिशा दी। उन्होंने भारतीय राजनीति में सेवा, सादगी और सिद्धांत आधारित नेतृत्व की मिसाल पेश की।

कार्यक्रम के अध्यक्ष विजेंद्र सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि दीनदयाल उपाध्याय का स्वदेशी, रामराज्य और अंत्योदय का दर्शन आज भी भारत को आत्मनिर्भर और विश्वगुरु बनाने की राह दिखाता है।

इस अवसर पर 'दीनदयाल उपाध्याय की राजस्थान यात्राएं' पुस्तक का विमोचन भी किया गया। सभी अतिथियों ने पंडित दीनदयाल राष्ट्रीय स्मारक परिसर और प्रदर्शनी का अवलोकन कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

समिति के अध्यक्ष प्रो. मोहनलाल छीपा ने समिति की गतिविधियों का परिचय देते हुए राज्य सरकार से दीनदयाल उपाध्याय बोर्ड गठन, विश्वविद्यालयों में शोध पीठ की स्थापना, दीनदयाल छात्रवृत्ति योजना, और पाठ्यक्रमों में उनके विचारों को शामिल करने जैसे सुझाव रखे। सचिव प्रतापभानू सिंह शेखावत ने समिति की भावी योजनाओं की जानकारी दी, वहीं कोषाध्यक्ष गजेंद्र ज्ञानपुरिया ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन अश्विन महेश दलवी ने किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत कौशल, रोजगार एवं उद्यिमता विभाग के सहयोग से रोजगार मेले का आयोजन भी किया गया। इस मेले में 26 निजी कंपनियों ने भाग लिया और करीब 500 युवक-युवतियों ने पंजीकरण कराया। यह रोजगार मेला खासतौर पर धानक्या और आसपास के ग्रामीण युवाओं के लिए अवसर लेकर आया, जिससे उन्हें अपने ही क्षेत्र में नौकरी के अवसर मिलेंगे। नीरज कुमावत ने इस रोजगार मेले के संयोजक की भूमिका निभाई।

इस आयोजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम, प्रांत प्रचारक बाबूलाल, अनिल ओक, मूलचंद, क्षेत्र संघचालक रमेशचंद्र अग्रवाल, सांसद राव राजेन्द्र सिंह सहित अनेक गणमान्यजन, सामाजिक कार्यकर्ता एवं आमजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जापान पर्यटन एक्सपो आइची में राजस्थान मंडप का उद्घाटन

जयपुर/टोक्यो । जापान के टोक्यो शहर में आयोजित जापान पर्यटन एक्सपो आइची में सहभागिता करने के लिए टोक्यों पहुंची राजस्थान पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियाड़ और टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास की पर्यावरण एवं वाणिज्य मंत्री देबजानी चक्रवर्ती ने गुरूवार को उक्त एक्सपो में राजस्थान मंडप का उद्घाटन किया।

■ **राजस्थान पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियाड़ और टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास की पर्यावरण एवं वाणिज्य मंत्री देबजानी चक्रवर्ती ने जापान पर्यटन एक्सपो आइची में किया राजस्थान मंडप का उद्घाटन**

राजस्थान पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियाड़ ने इससे पहले जापान पर्यटन बोर्ड और अन्य देशों के मंत्रियों और शीर्ष अधिकारियों के साथ एक्सपो का उद्घाटन किया। उन्होंने अतिरिक्त निदेशक आनंद त्रिपाठी और एफएचटीआर के सदस्य तरुण बंसल और हेमंत मित्तल तथा सह-प्रदर्शक दीपक धायल और अन्य लोगों के साथ, जापान पर्यटन बोर्ड के जेटीबी सदस्यों (अध्यक्ष और शीर्ष ट्रैवल एजेंट) और जापान राष्ट्रीय पर्यटन संगठन (जेएनटीओ) के अध्यक्ष और अधिकारियों के साथ व्यक्तिगत चर्चा में भाग लिया और राजस्थान के आकर्षक पर्यटन स्थलों और उत्पादों के संबंध में जानकारी दी और फ़िल्म के माध्यम से एक प्रस्तुति दी।

राजस्थान के पर्यटन आकर्षणों और उत्पादों के जीवंत प्रदर्शन के साथ, जापान पर्यटन एक्सपो आइची में राजस्थान पर्यटन स्टैंड आकर्षण का केंद्र बन गया है। स्टैंड पर लाइव हस्तशिल्प प्रदर्शन बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित कर रहा है।

इस दौरान जापानी मीडिया से भी बातचीत की गई तथा राजस्थान पर्यटन के भव्य स्वरूप और यहां की पर्यटन विशेषताओं से अवगत कराया गया। इसके साथ ही व्यावसायिक बैठकें भी आयोजित की गई।

जापानी ब्लॉगर मधु राजस्थानी सदस्यों के साथ राजस्थान स्टैंड पर उपस्थित रही जहां उनकी लोक प्रस्तुति संपन्न हुई है।

आतंक फैलाने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। इलाके में आतंक फैलाने और मारपीट करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने गिरफ्तार बदमाशों को क्राइम सीन पर ले जाकर परेड कराई। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इलाके में आतंक फैलाने और मारपीट करने वाले सोनू मीणा (23) निवासी गलता गेट जयपुर और नितिन सिनसिनवार (20) निवासी कुम्हेर जिला डीग हाल गलता गेट जयपुर को गिरफ्तार किया है। जयसिंहपुरा खोर क्षेत्र में 18 सितम्बर रात दो गैंग के बीच पुरानी रंजिश को लेकर आपस में झगडा हो गया । जिस पर एक पक्ष के लोग वाहनों में सवार होकर दूसरे पक्ष के वाहन का पीछा करते हुए गाड़ी के आगे दूसरे वाहन से टक्कर मारकर लाठी सरियों से मारपीट करके शुभम उर्फ लाला के हाथ पैर तोड दिये।

तीन आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने भांकरोटा थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए आगरा से प्रतिबंधित नशीली दवाइयां और टैबलेट्स मंगवाकर जयपुर में सप्लाई करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 37 हजार 410 टैबलेट्स और कैप्सूल के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि सीएसटी ने भांकरोटा थाना इलाके में ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित नशीली दवाइयां और टैबलेट्स मंगवाकर जयपुर में सप्लाई करने वाले गिरोह के शातिर बदमाश संपत सिंह शेखावत निवासी जयसिंहपुरा, अंकुश अग्रवाल और उत्तर प्रदेश के गाजीपुर निवासी अभिराज सिंह को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने इनके पास से प्रतिबंधित नशीली दवा अल्प्राजोलम और ट्रामाडोल के कुल 37 हजार 410 कैप्सूल और टेबलेट्स बरामद किए है।

चारदीवारी में हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर की चारदीवारी के भीतर हुए अवैध निर्माणों पर कार्रवाई के बजाए नगर निगम की ओर से समय-समय पर सिर्फ नोटिस जारी करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने कहा है कि जिन भवन मालिकों को अवैध निर्माण के नोटिस जारी किए जा चुके हैं, उन बिल्डिंगों को स्थाई रूप से सील कर दो माह में ध्वस्त करने की कार्रवाई पूरी की जाए। अदालत ने निगम आयुक्त को कहा है कि संबंधित उपायुक्त और जिन अधिकारियों से नोटिस देने के बाद कार्रवाई नहीं की, उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाए। अदालत ने कहा है कि यदि इन अफसरों को तबादला भी हो चुका है तो डीएलबी सचिव आदेश की पालना सुनिश्चित करें। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश जितेन्द्र कुमार साधवानी की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि नगर पालिका अधिनियम के प्रावधानों के तहत निगम के अधिकारियों के पास कार्रवाई करने की शक्तियां हैं। इसके बावजूद उन्होंने समय-समय पर अंतिम नोटिस के नाम पर कागजी कार्रवाई की और उसके बाद प्रभावी कदम नहीं उठाया।

■ **नगर निगम की ओर से समय-समय पर सिर्फ नोटिस जारी करने पर नाराजगी जताई**

अदालत ने कहा कि नगर निगम की ओर से प्रभावी कदम नहीं उठाने से पूरी चारदीवारी के भीतर अवैध इमारतें बन गई हैं। अवैध बिल्डिंग पूरे शहर और समाज के लिए खतरा बन गई है और इसने चारदीवारी के विरासत मूल्यों को बर्बाद कर दिया है। वहीं निगम की इस कार्यप्रणाली से अन्य लोग भी अवैध निर्माण के लिए प्रोत्साहित होते हैं। ऐसे में अधिकारियों को इन अवैध निर्माणों पर आंख मूंदकर बैठने और नोटिस जारी करने के छह माह बाद भी ढिलाई बरतने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता संजय जोशी ने कहा कि शहर के परकोटे के भीतर युद्ध स्तर पर अवैध निर्माण हो रहे हैं। भवन मालिकों ने न तो नगर निगम से निर्माण की स्वीकृति ली है और ना ही नक्शे पास कराए हैं। वहीं कई लोगों ने अपने रिहायशी मकानों को तोडकर बिना पार्किंग छोडें बहुमंजिला व्यावसायिक निर्माण कर लिए हैं। इस संबंध में निगम में कई बार शिकायत की, लेकिन निगम ने उन्हें छह माह के अंतराल में सिर्फ नोटिस जारी किए। जिसके चलते भवन मालिक ने निर्माण पूरा कर लिया। वहीं निगम की ओर से जवाब पेश कर माना गया कि अवैध निर्माण करने वालों को नोटिस जारी किए गए थे।

शाहरुख और दीपिका के खिलाफ कार्रवाई पर रोक जारी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने खराब कार की मार्केटिंग करने से जुडे मामले में फिल्म अभिनेता शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण के खिलाफ भरतपुर के मथुरा गेट थाने में दर्ज एफआईआर में कार्रवाई पर लगी रोक को जारी रखा है। इसके साथ ही अदालत ने कार कंपनी और शिकायतकर्ता को अपना विवाद आपसी सहमति से तय करने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण सहित अन्य की ओर से दायर आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता का विवाद अपनी जगह है, लेकिन उसने कंपनी के ब्रांड एंबेसडर के खिलाफ कार्रवाई क्यों कि है। कंपनी के साथ मिलकर सहमति से मामला सुलझाया जा सकता है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पैरवी करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक राज बाजवा और माधव मित्र ने अदालत को बताया कि शिकायतकर्ता ने कार खरीदने के बाद उसे तीन साल तक करीब 67 हजार किलोमीटर चलाया और उसके बाद एफआईआर दर्ज कराई।

■ **कार कंपनी और शिकायतकर्ता आपस में सहमति से करें मामले का निस्तारण**

मामले में फिल्मी कलाकार याचिकाकर्ताओं पर कोई स्पष्ट आरोप नहीं है। वे कार के ब्रांड एम्बेसडर हैं और उन्होंने सिर्फ कार का विज्ञापन किया था।

याचिकाकर्ता दीपिका पादुकोण तो शिकायतकर्ता के वाहन खरीदने के बाद इस ब्रांड से जुडी हैं। इसके अलावा हर वाहन की परफॉर्मेंस उसके चलाने के तरीके पर निर्भर करती है। यदि शिकायतकर्ता को कार की परफॉर्मेंस को लेकर कोई शिकायत भी थी तो इसमें कोई आपराधिक मामला नहीं बनता है। शिकायतकर्ता इसे उपभोक्ता अदालत में परिवाद दायर कर चुनौती दे सकता था।

इसके बावजूद भरतपुर की निचली अदालत के पीठासीन अधिकारी ने बिना विधिक मस्तिष्क का उपयोग किए एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। ऐसे में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने गत सुनवाई पर याचिकाकर्ताओं के खिलाफ दर्ज एफआईआर में आगामी कार्रवाई करने पर रोक लगा दी है। भरतपुर के वकील कीर्ति सिंह ने इस्तगासे के जरिए मथुरा गेट थाने में गत दिनों एफआईआर दर्ज कराई थी।

जिसमें कंपनी के एमडी अनसो किम, निदेशक और सीईओ तरुण गर्ग, शाहरुख खान व दीपिका पादुकोण सहित अन्य को आरोपी बनाते हुए कहा गया था कि उसने जून, 2022 में 23 लाख 97 हजार रुपए में एक कंपनी की कार खरीदी थी। हाईवे पर कार चलाने के दौरान ओवरटेक करते समय कार पिकअप नहीं लेती और उसका सिर्फ आरपीएम ही बढ़ता है। कार के ओडोमीटर में माल फंक्शन लिखा आने का साइन नजर आता है। वहीं तेज चलाने पर कार वाइब्रेट होने लगती है। एफआईआर में यह भी कहा गया कि जब शिकायत दी गई तो कार एजेंसी संचालक ने इसे कार निर्माण में दोष बताया। अपराध में कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ दोनों फिल्मी कलाकार भी बराबर के आरोपी हैं।

यू.ई.एम. का तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न

अनुप्रयुक्त विज्ञान के विविध अनुप्रयोगों पर प्रकाश डालते हुए अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

जयपुर। सम्मेलन में दोनों मोड में दुनिया भर से 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें शोध विद्वान, शिक्षाविद और उद्योग पेशेवर शामिल थे। उद्घाटन समारोह में प्रो. बनानी चक्रवर्ती (कुलाधिपति, यूईएम जयपुर), प्रो. (डॉ.) बिस्वजय चटर्जी (कुलपति, यूईएम जयपुर), प्रो. (डॉ.) सत्यजीत चक्रवर्ती (प्रो-वाइस चांसलर, यूईएम जयपुर), प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार शर्मा (रजिस्ट्रार, यूईएम जयपुर), के साथ साथ यूईएम जयपुर के एसोसिएट डीन देश के विभिन्न हिस्सों से अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।इसके अलावा, लगभग 101 शिक्षाविदों ने कम्प्यूटेशनल और अनुप्रयुक्त विज्ञान के विविध अनुप्रयोगों पर प्रकाश डालते हुए अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

समापन सत्र 21 सितंबर 2025 को शाम 5:00 बजे आयोजित किया गया, जहाँ संयोजक डॉ. प्रफुल्ल छाबड़ा और डॉ. तरुण शर्मा ने सम्मेलन पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रतिभागियों ने उपयोगी सत्रों और मूल्यवान नेटवर्किंग अवसरों के लिए अपनी सराहना व्यक्त की। कार्यक्रम का समापन संयोजक डॉ. प्रफुल्ल छाबड़ा द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

जयपुर केंद्रीय कारागार में दो बंदियों में झगड़ा

जयपुर। लाल कोठी थाना इलाके के घाटगेट स्थित जयपुर केंद्रीय कारागार (जेल) में दो बंदियों में झगड़ा हो गया। जहां एक बंदी ने स्टील मग मारकर दूसरे का सिर फोड़ दिया। सूचना मिलने पर जेल प्रशासन ने झगड़े के बाद बैरक में बंद दोनों बंदियों को बाहर निकाल अलग-अलग किया। वहीं घायल बंदी को प्राथमिक इलाज के लिए जेल अस्पताल ले जाया गया। इस संबंध में जयपुर सेंट्रल जेल के प्रहरी की ओर से थाने में दोनों बंदियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया।

थानाधिकारी प्रकाश राम विश्नोई ने बताया कि जयपुर सेंट्रल जेल के प्रहरी बंटी सेजवाल ने मामला दर्ज करवाया है कि जेल के वार्ड नंबर-5 के बैरक नंबर-3 में विचाराधीन बंदी विष्णु बंद है और उसके साथ ही बैरक में बंदी रोहित व रामकेश भी है। जहां बुधवार देर शाम को बंदी विष्णु और रोहित की आपस में किसी बात पर कहासुनी हो गई थी। कहासुनी के बाद झगड़ा मारपीट तक पहुंच गया। बंदी रोहित ने अपने साथी रामकेश के साथ मिलकर बंदी विष्णु पर हमला कर दिया। जहां गुस्से में स्टील मग से वार कर विष्णु का सिर फोड़ दिया।

सार-समाचार

भारत रत्न भीमराव अंबेडकर पुस्तकालय का हुआ उद्घाटन

जयपुर। वार्ड 31 के लोकप्रिय पार्षद लादूराम दुलारिया द्वारा अथक प्रयासों से नगर निगम से लगभग 26लाख रुपए स्वीकृत करवा के वार्ड 31 में भीमराव अंबेडकर पुस्तकालय का निर्माण करवाया गया। जिसका उद्घाटन क्षेत्रीय पार्षद लादूराम दुलारिया द्वारा फीता काटकर किया गया ।इस कार्यक्रम में पूर्व राज्य मंत्री राजीव अरोड़ा, पीसीसी महामंत्री विक्रम सिंह शेखावत, पूर्व पीसीसी महामंत्री गिर्राज गर्ग ,पूर्व उपाध्यक्ष विप्र कल्याण बोर्ड मंजू शर्मा , पीसीसी सदस्य महेंद्र सिंह खेड़ी ,जगदीश शर्मा ब्लॉक अध्यक्ष हरेंद्र पाल सिंह जादौन,शहर उपाध्यक्ष पार्षद नसरीन बानो ,रैगर समाज के अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह जादौन ब्लॉक अध्यक्ष रेगर समाज के कमलेश कुमार व उनकी कार्यकारिणी ,वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुशील शर्मा लक्ष्मण सिंह कैलाश गुरुजी रामकुमार शर्मा ,ओंकार मल,देवीलाल वर्मा, सहित अनेक पार्षद प्रत्याशी वार्ड अध्यक्ष इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। संगठन महामंत्री मनोज अमन ने बताया कि आये हुए सभी अतिथियों ने पार्षद लादूराम दुलारिया द्वारा क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की और क्षेत्र के नागरिकों से अपील की कि भविष्य में आप इन्हें पुनः जिताकर नगर निगम में भेजें जिससे आपके क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो सके ।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, प्रदेश मंत्री स्टेफी चौहान, प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष सुमन शर्मा, भाजपा प्रवक्ता अपूर्वा सिंह, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का एकात्म मानववाद का दर्शन और अंत्योदय का विचार सदैव भारत के विकास पथ को दिशा देता रहेगा। उनका विचार था कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का उत्थान ही वास्तविक राष्ट्र निर्माण है। उनके सिद्धांत आज भी सरकार की समावेशी विकास की नीति में पूर्ण रूप से समाहित हैं। इस दौरान भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं ने भी पुष्प अर्पित किए।

पटवारी व दलाल को पन्द्रह हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो(एसीबी) की टोंक टीम ने कार्रवाई करते हुएकार्यालय तहसील गर्दी जिला के टोंक पटवारी नरेन्द्र बैरवा और दलाल मोहम्मद को पन्द्रह हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी टीम टोंक को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके पुत्री-पुत्रो के नाम से खरीदी भूमि का नामांतरण खोलने की एवज में आरोपित पटवारी नरेंद्र बैरवा तीस हजार रुपये की रिश्वत मांग की जा रही है। जिस पर एसीबी ने शिकायत का सत्यापन करवाया। जहां आरोपित पटवारी ने तीस हजार रुपये की रिश्वत मांग की। जिस पर एसीबी टोक टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबर मल ने ट्रेप की कार्रवाई को अंजाम दिया। ट्रेप के दौरान पटवारी ने अपनी उपस्थिति में अपने परिचित मोहम्मद नसीम (दलाल) को पन्द्रह हजार रुपये की रिश्वत परिवादी से दिलाई गई। इस दौरान एसीबी ने कार्रवाई करते हुए पटवारी और दलाल को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया।

''पोषण समाधान को गति देना'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

जयपुर। निदेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं, (आईसीडीएस) वासुदेव मालावत के मुख्य आतिथ्य में गृह विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के सहयोग से 'मिलेट्स एवं फूड फोर्टिफिकेशन का एकीकरणः पोषण समाधान को गति देना'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन गुरुवार को प्रातः 10.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक राजस्थान विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में किया गया है। इस अवसर पर राजस्थान विश्वविद्यालय और , के बीच एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर भी किए गए, जिससे पोषण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में भविष्य में सहयोग और मजबूत होगा। डॉ. सचिन गुप्ते ए वरिष्ठ सलाहकारए , भारत में स्वास्थ्य हस्तक्षेपों को संबोधित करने में ,की भूमिका के बारे में बताया। बाल स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करने तथा शिक्षाविदों, विशेषज्ञों एवं व्यवहारकर्ताओं को एक साझा मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस संगोष्ठी में विभिन्न शैक्षिणक एवं चिकित्सीय संस्थानों के प्रतिष्ठित वक्ताओं तथा विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।निदेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं वासुदेव मालावत ने अपने सम्बोधन में कहा कि राजस्थान मूल रूप से मोटे अनाज खाने वाला प्रदेश है। हमारे यहां ज्वार, बाजरा दैनिक रूप से खाने वाले अन्न हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक दौर में खान-पान में बदलाव के कारण हम हमारे पारम्परिक मोटे अनाजों के खान-पान से दूर हुए हैं। यदि हम पुनः राजस्थान के पारम्परिक भोज्य पदार्थों का सेवन करें तो ज्यादा बेहतर और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

■ **इस अवसर पर समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए**

'मिलेट्स एवं फूड फोर्टिफिकेशन का एकीकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

उन्होंने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में गुणवत्तापूर्ण भोजन का अत्यधिक महत्व है।वासुदेव मालावत ने कहा कि बच्चों में कुपोषण, ठिगनापन आदि एक बड़ी समस्या है। राजस्थान में बच्चों उन्होंने कहा कि स्थानीय परिस्थितियों और वातावरण के अनुकूल ही पोषण आहार दिया जाना आज के समय की जरूरत है। राज्य सरकार की ओर से आंगनबाड़ियों में बच्चों को सप्ताह में 5 दिन गरम दूध दिया जा रहा है।

नाहरगढ़ अभयारण्य की मौजूदा सीमाओं में परिवर्तन पर रोक, मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाहरगढ़ वन्यजीव अभ्यारण्य की मौजूदा सीमाओं में परिवर्तन करने पर रोक लगा दी है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि इसमें ईको सेंसिटिव जोन और वर्णित क्षेत्र भी शामिल रहेगा। इसके साथ ही अदालत ने मामले में पर्यावरण मंत्रालय, राज्य के मुख्य सचिव, एसीएस वन, नेशनल वाइल्ड लाइफ बोर्ड और पीसीसीएफ सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। वहीं अदालत ने मामले में उठाए गए मुद्दे पर केंद्र सरकार के एडिशनल सॉलिसिटर जनरल को शपथ पत्र पेश कर करने के आदेश देते हुए पीसीसीएफ का हलफनामा भी मांगा है। जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश नाहरगढ़ वन एवं वन्य जीव सुरक्षा एवं सेवा समिति की जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता केसी शर्मा ने अदालत को बताया कि एनजीटी के 16 दिसंबर 2024 के आदेश की आड में नाहरगढ़ वन्य जीव अभयारण्य का संशोधित नक्शा तैयार किया जा रहा है। जिसमें मिलीभगत कर वर्णित क्षेत्र में शामिल होने वाले गांवों की भूमि को शामिल नहीं किया गया है।

इस कार्रवाई में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों की भी अवहेलना की जा रही है। इस दौरान राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की सिफारिश लिए बिना ही अभयारण्य की सीमाओं में बदलाव किया जा रहा है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि नाहरगढ़ अभयारण्य की सीमा पर चल रही गैर वानिकी गतिविधियों और व्यावसायिक गतिविधियों को फायदा पहुंचाने के लिए वन विभाग की ओर से यह कार्रवाई की जा रही है। याचिका में यह भी कहा गया कि अभयारण्य की सीमाओं में संशोधन की कार्रवाई से अभयारण्य को नुकसान हो रहा है और ईको सेंसिटिव जोन भी प्रभावित हो रहा है। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने अभयारण्य की मौजूदा सीमाओं में बदलाव करने पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है और केन्द्र व राज्य सरकार के अफसरों से शपथ पत्र पेश करने को कहा है।

1.62 करोड़ रूपये का अवैध डोडा-चूरा पकड़ा, वाहन चालक फरार

डोडा-चूरा तस्करी में प्रयुक्त वाहन पिकअप व क्रेटा कार को भी पुलिस ने जब्त किया

- **रायपुर पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने 10.81 क्विंटल डोडा-चूरा जब्त किया**

रायपुर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने डोडा-चूरा जब्त किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की रायपुर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने 10 क्विंटल 81 किलोग्राम डोडा-चूरा जब्त किया है। अवैध मादक पदार्थ तस्करी में प्रयुक्त वाहन पिकअप व क्रेटा कार को भी जब्त किया गया है। जब्त मादक पदार्थों की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार कीमत करीब एक करोड़ 62 लाख रूपये है।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव के निर्देश और एएसपी सहाड़ा रोशनलाल पटेल के सुपरविजन में चलाए जा रहे अभियान के तहत रायपुर थाना प्रभारी को डीएसटी कांस्टेबल गोपालराम ने सूचना दी कि डीएसटी इंचार्ज अशोक कुमार व टीम गंगापुर से रायपुर की ओर आ रही दो संदिग्ध गाड़ियों का पीछा कर रही है। पुलिस ने रायपुर गौशाला के पास नाकाबंदी की तो सबसे आगे चल रही क्रेटा कार पुलिस को देखकर रुक गई। चालक कार छोड़ अंधेरे में भाग छूटा। उसके पीछे आ रही पिकअप को पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो चालक वाहन को कच्चे रास्ते की ओर ले गया और पीछा करने पर वह भी वाहन छोड़कर जंगल में भाग गया।

पैदल जा रही महिला को सांड ने सींगों से उठाकर पटका : जोधपुर के मंडोर क्षेत्र के चैनपुरा बावड़ी में एक महिला को आवारा सांड़ ने अपने सींगों से उछाल दिया। इससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को निजी अस्पताल में एडमिट करवाया गया है। इस पूरी घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। जिसमें एक महिला सड़क पर पैदल जाते हुए नजर आ रही है। तभी अचानक से ही सामने से तेज स्पीड में सांड़ दौड़ता हुआ आया और उसने महिला को उछालकर दीवार की तरफ पटक दिया।

इसके चलते महिला घायल हो गई। काफी देर तक महिला सड़क किनारे ही पड़ी रही। बाद में एक अन्य महिला दौड़ती हुई आई और घायल महिला को उठाया।

घायल महिला का नाम सरोज है। घटना 22 सितंबर की बताई जा रही है। उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

खिरनी की नई प्रजाति की पहली उपस्थिति उदयपुर जिले में दर्ज

- **खिलौने बनाने के लिए उपयुक्त मानी जाने वाली इस लकड़ी की नई प्रजाति ''राइटिया डोलीकोकारपा'' की खोज उबेश्वर वन क्षेत्र और गोगुन्दा तहसील के ओबरा खुर्द गांव में हुई**
- **लगभग पचपन वर्ष बाद यह प्रजाति अब राजस्थान में दर्ज की गई है, जो राज्य के वनस्पति इतिहास में एक उल्लेखनीय घटना है**

खिरनी की नई प्रजाति की पहली उपस्थिति उदयपुर जिले में दर्ज की गई है।

उदयपुर, (निसं)। राजस्थान की जैव विविधता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए खिरनी की नई प्रजाति की पहली उपस्थिति उदयपुर जिले में दर्ज की गई है। खिलौने बनाने के लिए उपयुक्त मानी जाने वाली इस लकड़ी की नई प्रजाति ''राइटिया डोलीकोकारपा'' को पूर्व वन अधिकारी एवं पर्यावरणविद् डॉ. सतीश कुमार शर्मा और फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी के फील्ड बायोलॉजिस्ट डॉ. अनिल सरसावन ने खोजा है। यह खोज उदयपुर जिले के उबेश्वर वन क्षेत्र और गोगुन्दा तहसील के ओबरा खुर्द गांव में हुई है। इस नई खोज के साथ उदयपुर में अब राहटिया वंश की खिरनी की कुल तीन प्रजातियां विद्यमान हो चुकी है।

एक समय था जब खिरनी की लकड़ी से बने खिलौनों के लिए उदयपुर शहर देशभर में प्रसिद्ध था। उस समय खिलौने बनाने में दो प्रमुख प्रजातियों की लकड़ी का उपयोग किया जाता था।

पहली प्रजाति खिरनी, जिसे वैज्ञानिक भाषा में राइटिया टिंक्टोरिया कहा जाता है और दूसरी प्रजाति खिरना, जिसका वैज्ञानिक नाम राइटिया टोमेनटोसा है। नई खोजी गई राइटिया डोलीकोकारपा इसी परंपरा को नया जीवन देने वाली प्रजाति मानी जा रही है। राइटिया डोलीकोकारपा का पहला वैज्ञानिक उल्लेख वर्ष 1969 में नगर हवेली क्षेत्र के बोन्टावन से हुआ था, जब वनस्पति वैज्ञानिक के. बहादुर और एस.एस.आर. बैनेट ने इसे पहचाना। उनकी यह खोज 1978 में प्रकाशित हुई थी। लगभग पचपन वर्ष बाद यह प्रजाति अब राजस्थान में दर्ज की गई है, जो राज्य के वनस्पति इतिहास में एक उल्लेखनीय घटना है।

नई प्रजाति डोलीकोकारपा आकार में पूर्व ज्ञात खिरनी राइटिया टिंक्टोरिया से काफी मिलती-जुलती है, लेकिन इसके फलों की लंबाई इसे अलग पहचान देती है। जहां टिंक्टोरिया के फलों की लंबाई 15 से 50 सेंटीमीटर तक होती है, वहीं डोलीकोकारपा के फल 60 से 96 सेंटीमीटर तक लंबे पाए गए हैं। इतनी लंबी फली के कारण यह प्रजाति वन में दूर से ही पहचान में आ जाती है। इस खोज का विस्तृत विवरण हाल ही में प्रकाशित जर्नल ऑन न्यू बायोलॉजिकल रिपोर्ट्स के अंक 14, खंड 1 में दर्ज किया गया है, जो राजस्थान के वनस्पति शोध को नई दिशा प्रदान करने वाला है।

गर्भवती ने 108 एंबुलेंस में बच्चे को जन्म दिया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के बनेड़ा से रेफर एक गर्भवती महिला ने भीलवाड़ा लाते समय 108 एंबुलेंस में ही बच्चे को जन्म दिया। एंबुलेंस में मौजूद नर्सिंग स्टाफ की तत्परता से मांडल के नजदीक सुरक्षित प्रसव कराया गया और जच्चा-बच्चा दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भीलों का झोपड़ा कुंवार निवासी रूपा पत्नी गोपाल कालबेलिया को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन पहले बनेड़ा अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां से रेफर करने पर 108 एंबुलेंस पायलट प्रकाशचंद्र कुमावत महिला को जिला अस्पताल भीलवाड़ा ला रहे थे। रास्ते में मांडल के पास महिला को तेज प्रसव पीड़ा हुई और उसने नन्हे से स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। एंबुलेंस पर तैनात नर्सिंग स्टाफ एहसान अली ने तुरंत जच्चा-बच्चा दोनों को प्राथमिक उपचार देकर सुरक्षित प्रसव कराया। बाद में पायलट प्रकाश कुमावत की मदद से दोनों को जिला अस्पताल भीलवाड़ा पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी स्थिति सामान्य बताई।

खर्रा कल सीकर के दौरे पर रहेंगे

सीकर। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा 27 सितम्बर 2025 को सीकर के दौरे पर रहेंगे तथा विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार ने बताया कि राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा 27 सितम्बर को प्रातः 8 बजे जयपुर से प्रस्थान कर प्रातः 10 बजे सीकर पहुंचेंगे तथा बालाजी एण्ड कम्पनी के भव्य शुभारंभ कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद राज्यमंत्री खर्रा सीकर से प्रातः 10.30 बजे पातुसरी के लिए प्रस्थान जायेंगे।

चूरू को मिली वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात

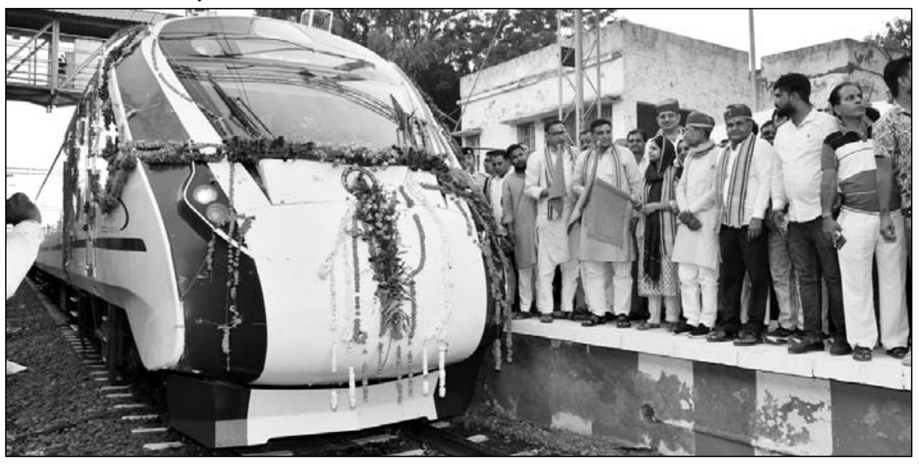
विधायक हरलाल सहारण ने वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

चूरू, (निसं)। वंदे भारत एक्सप्रेस का चूरू रेलवे स्टेशन पर उद्घाटन गुरूवार को समारोह पूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक हरलाल सहारण थे। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी वरिष्ठ सामग्री प्रबंधक बीकानेर मोहिंदर सिंह ने आगंतुक अतिथियों व शहर के गणमान्यजनों का का स्वागत किया। इस दौरान मोहिंदर सिंह ने वंदे भारत एक्सप्रेस की खूबियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। उद्घाटन की पूर्व संध्या पर विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने निबंध व चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि यह वंदे भारत एक्सप्रेस चूरू के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी। वंदे भारत ट्रेन के रूप में चूरू को तेज रफ्तार आरामदायक यात्रा और आधुनिकतम सुविधाओं की सौगात मिली है। उन्होंने आमजन से अपिल करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो विकसित भारत का सपना देखा है, उसे पूरा करने का प्रयास करें। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, जिला प्रमुख वंदना आर्य, प्रधान दीपचंद राहड़, राष्ट्रीय परिषद सदस्य ओम सारस्वत, फतेहचंद सोती, उप जिला प्रमुख महेंद्र न्यौल, अभिषेक चोटिया, जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा व जिला मंत्री दीनदयाल सैनी ने हरी झंडी दिखाकर वंदे भारत ट्रेन को रवाना किया। नोडल अधिकारी मोहिंदर सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्टेशन मास्टर अमर सिंह लखारा, भाजयुमो जिलाध्यक्ष गोपाल बालान, अख्तर खान, नरेन्द्र सैनी, राकेश भाकर, रणवीर दैया सहित अनेक अधिकारी-कर्मचारी व जन प्रतिनिधी उपस्थित थे।

महिला की मौत

उदयपुर, (निसं)। अम्बामाता थाना क्षेत्र में बाइक से गिरने पर घायल महिला की मौत हो गई। बुधवार को अम्बामाता थाना क्षेत्र ब्रह्मपोल रोड़ पर बाइक से गिरने पर गांधीनगर ओडबस्ती निवासी तारा (40) पत्नी कालू ओड़ गंभीर घायल हो गई, जिसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया था।

पूर्व मंत्री ने अवैध खनन में अभियंता व पुलिस की सांठगांठ का आरोप लगाया

- **पूर्व पंचायत राज मंत्री रमेश चंद मीणा ने मुख्यमंत्री के नाम का एसपी को ज्ञापन सौंपा**

करौली जिले में अवैध खनन को लेकर पूर्व मंत्री रमेश मीणा ने कार्यकर्ताओं व लोगों के साथ ज्ञापन दिया।

करौली, (निसं.)। जिले में बढ़ रहे अवैध खनन कार्य पर प्रतिबंध लगाने के लिए पूर्व पंचायत राज मंत्री रमेश चंद मीणा ने मुख्यमंत्री के नाम का जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। साथ ही उन्होंने अवैध खनन में खनिज विभाग के अभियंता और पुलिस की मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कुछ अवैध खननकर्ताओं को नामजद करते हुए किसी निष्पक्ष और ईमानदार पुलिस अधिकारी से जांच करने की मांग की है।

पूर्व मंत्री रमेश चंद मीणा ने ज्ञापन में खुलासा करते हुए बताया कि करौली में पुलिस में खनिज विभाग अभियंता की मिलीभगत से भारी मात्रा में अवैध खनन कार्य चल रहा है, जिसमें राज्य सरकार को राजस्व की भारी हानि हो रही है और अवैध खनन का व्यापार पनप रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्य रूप से श्री राम माइन्स एंड मिनरल कावटी केलादेवी ग्रिट उद्योग मनोहरपुरा रफीक खान मनोहरपुरा रामपुरा मिनरल रामपुरा अवैध खनन कार्य हो रहा है। उन्होंने बताया कि इन सभी खनन पट्टों पर प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड राजस्थान से कंसेंट तू ऑपरेटर प्राप्त नहीं है। यह सभी क्षेत्र ईको सेंडस्टेव जोन कैलादेवी रणथंभोर अभयारण्य में पड़ते हैं। उन्होंने ज्ञापन में खुलासा करते हुए बताया कि खनिज अभियंता द्वारा ग्राम बालोती खनिज पट्टा 21 एवं 22 को सपोटरा विधायक के दबाव में नियम विरुद्ध तरीके से निरस्त करके उक्त खनिज क्षेत्र में प्लांट बनाकर नीलामी कार्रवाई चालू की गई है, जिसमें राज्य सरकार को अधिक आय होना बताया गया, किंतु विधायक सपोटरा पर उसके परिवारजन द्वारा उक्त भूखंडों पर अवैध कब्जा कर लेने से उक्त भूखंड की नीलामी कैंसिल कर दी गई है। जिस खनन क्षेत्र में विधायक व उसके परिवारजन अवैध खनन जारी रह सके का आरोप लगाया है।

उन्होंने खनिज अभियंता के सहयोग से विधायक सपोटरा बालोती के खनन क्षेत्र में करीब 10 एक्टर भूमि पर अवैध खनन करने का आरोप लगाते हुए बताया कि अवैध रूप से गैर आबादी क्षेत्र में सड़क निर्माण कर दिया गया है। इस प्रकार खनिज अभियंता पर राजनीतिक संरक्षण के चलते भारी भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है।

इस मौके पर जिला प्रमुख प्रतिनिधि प्रधान प्रतिनिधि के अलावा भूपेंद्र भारद्वाज सपोटरा प्रधान प्रतिनिधि धारा सिंह, पूर्व एनएसयूआई अध्यक्ष राजेंद्र मनेमा सहित कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस मौके पर पूर्व मंत्री ने जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए भ्रष्ट खनिज अभियंता धर्म सिंह मीणा और सहयोगी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में मुकदमा दर्ज कराकर कारवाई करने की मांग की।

सीसी सड़क बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन : -बूंदी के सिलोर से गरदड़ा जाने वाले रोड पर सीसी सड़क बनाने की मांग को लेकर नाराज ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगाकर प्रदर्शन शुरू किया। ग्रामीणों का कहना था कि सिलोर से गरदड़ा 42 किलोमीटर लंबी सड़क है जो 50 से ज्यादा गाँवों को जोड़ती है। यह सड़क पिछले 35 साल से जर्जर अवस्था में है, जिसकी किसी भी सरकार ने कोई सुद नहीं ली। आए दिन हादसे होते रहते हैं तथा वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। पिछली सरकार द्वारा सीसी सड़क निर्माण के लिए 184 करोड रुपए का बजट पारित किया था लेकिन राजनीतिक कारणों के चलते अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। नाराज ग्रामीणों ने जाम लगाकर राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सूचना पर सदर थाना पुलिस तहसीलदार अर्जुन लाल मीणा, अधिशासी अधिकारी सार्वजनिक निर्माण विभाग मुकेश गौचर, एनएचएआई के अधिकारी मौके पर पहुंचे और दो घंटे तक ग्रामीणों से समझाइश की तथा 19 नवंबर से सड़क का निर्माण कार्य शुरू करने का आश्वासन देने के बाद ग्रामीणों ने जाम हटा दिया।

शैक्षिक सम्मेलन कल से

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी। राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) का दो दिवसीय जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन (2025) 26 से 27 सितंबर तक शहीद सीताराम कुमावत एवं कन्हैयालाल ताम्बी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पलसाना में आयोजित होगा। यह जानकारी देते हुए शिव कुमार लुनिवाल अध्यक्ष उप शाखा लक्ष्मणगढ़ ने बताया कि दो दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन में शैक्षिक मुद्दों पर चर्चा परिचर्चा की जायेगी, जिसमें संगठन के राज्यस्तरीय, जिला स्तरीय व उप-शाखाओं के पदाधिकारी सदस्य व शिक्षक कर्मचारी भाग लेंगे।

'पाठ्यक्रम के साथ ही नवाचार करने चाहिए, जिससे जनजातीय छात्रों का विकास होगा'

- **विश्वविद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की आवश्यकता : राज्यपाल बागड़े**

गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के सभागार में कुलगुरु एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों से राज्यपाल बागड़े ने संवाद किया।

बांसवाड़ा, (निसं)। गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के सभागार में कुलगुरु एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों से संवाद में संबोधित करते हुए राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि छात्रों के बौद्धिक, चारित्रिक एवं शारीरिक विकास के लिए विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को विशेष पहल करते हुए योजनाबद्ध रूप से प्रयास करने की आवश्यकता है।

राज्यपाल बागड़े ने निर्देश दिए कि पाठ्यक्रम के साथ ही नवाचार करने चाहिए जिससे जनजातीय छात्रों का विकास होगा। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों का दायित्व केवल आधुनिक शिक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा से भी जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा में चिकित्सा, आयुर्वेद, अभियांत्रिकी, गणित, खगोल शास्त्र और स्थापत्य कला जैसे क्षेत्रों में विश्व को मार्गदर्शन देने वाली अनूठी धरोहर मौजूद है। राज्यपाल बागड़े ने उदाहरण देते हुए कहा कि सुश्रुत और चरक के चिकित्सा और आयुर्वेद संबंधी योगदान आज भी दुनिया में आदर्श माने जाते हैं। इसी प्रकार आर्यभट्ट और भास्कराचार्य ने गणित और खगोल विज्ञान में वह नींव रखी जिस पर आधुनिक विज्ञान खड़ा है। राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थियों को इन विषयों से परिचित कराना केवल इतिहास का स्मरण भर नहीं है बल्कि इससे उनमें गौरव बोध, आत्मविश्वास और नवाचार की प्रेरणा उत्पन्न होगी। यदि छात्र आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ-साथ अपनी परंपरागत ज्ञान-व्यवस्था की गहराई को समझेंगे तो वे समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुरूप नए समाधान खोजने में सक्षम बनेंगे।

राज्यपाल ने कहा महाविद्यालयों को सम्बद्धता प्रदान करने से पूर्व वहां के भौतिक संसाधन एवं मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। योग्य शिक्षकों की नियुक्ति में कठोरता अपनाने और खेल सुविधाओं के विकास के लिये ठोस प्रयास करने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि नशा मुक्ति के लिए केवल पोस्टर लगाने से अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ेगा बल्कि छात्रों को व्यक्तिगत रूप से जागरूक करना होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए आदर्श गांवों में सायंकालीन व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने निर्देश दिये कि नियमित रूप से सूर्य नमस्कार का अभ्यास विद्यार्थियों में खेलकूद के साथ अनिवार्य किया जाए। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय पुस्तकालय में राजस्थान के समृद्ध इतिहास और बप्पा रावल जैसे महान वीरों पर आधारित साहित्य का समावेश होना चाहिए। साथ ही महाभारत, रामायण, वेद, उपनिषद एवं शास्त्रीय साहित्य के संकलन को भी उपलब्ध कराना आवश्यक है।

राज्यपाल ने निर्देश दिए कि शोध कार्यों में स्थानीयता के विषयों को प्राथमिकता दी जाए। परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता एवं गोपनीयता पर विशेष बल देते हुए उन्होंने कहा कि प्रश्न पत्र निर्माताओं से शपथ-पत्र लेने जैसे ठोस प्रावधान किए जाएं। राज्यपाल ने यह भी निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री के आह्वान का अनुसरण करते हुए विश्वविद्यालय तथा छात्र अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तु और संसाधनों का उपयोग करें। कुलगुरु प्रो. केशव सिंह ठाकुर ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और गतिविधियों का वृत्त प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव कश्मी कौर राँन, वित्त नियंत्रक हितेश गौड, उप कुलसचिव प्रो. राजेश जोशी, परीक्षा नियंत्रक प्रो. प्रमोद वैष्णव, अकादमिक प्रभारी प्रो. शफकत राना, शोध निदेशक प्रो. नरेन्द्र पानेरी, सम्बद्धता प्रभारी अधिकारी डॉ. राकेश डामोर, प्राचार्य अभियांत्रिकी डॉ. अर्पित पाठक, सहायक कुलसचिव परीक्षा डॉ. लोकेन्द्र कुमार, सहायक लेखाधिकारी प्रथम लेखराम भास्कर, शैक्षिक सलाहकार प्रो. महिपाल सिंह राव, खेल सलाहकार अनिल शर्मा, सहायक लेखाधिकारी द्वितीय चिराग त्रिवेदी एवं कनिष्ठ लेखाकार शुभम पंड्या मौजूद रहे।

मोर का शिकार करने वाला आरोपी गिरफ्तार

- **मोर के शिकार की शिकायत आरोपी की पत्नी ने ही की थी**

लूणकरणसर, (निसं)। वन विभाग की टीम ने लूणकरणसर की रोही के जंगल में राष्ट्रीय पक्षी मोर का शिकार करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है।

आरोपी युवक कालूराम बावरी निवासी कुम्माणा बास लूणकरणसर ने रोही लूणकरणसर में मोर का शिकार किया था। शिकार की शिकायत आरोपी की पत्नी ने की थी। मंगलवार शाम को वन विभाग की टीम आरोपी के काश्त किए खेत में पहुंची। वहां पर मृत मोर के अवशेष बरामद किए थे। उस समय आरोपी मौके से फरार हो गया। उसने मोर का शिकार कर उसका मांस खाया। उसके बाद रात को पत्नी से मारपीट की। सुबह जब वह खेत से बाहर गया तो नाराज पत्नी ने ही उसकी शिकायत खेत मालिक से कर दी। इस पर वन विभाग ने मौके से साक्ष्य जुटाए। कालूराम बावरी के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम तथा राष्ट्रीय पक्षी मोर का शिकार करने के आरोप में मामला दर्ज किया। आरोपी मौके से फरार हो गया था। वन विभाग ने टीम ने आरोपी को रोही से गिरफ्तार कर लिया। वह रोही में छिपा हुआ बैठा था।

आबकारी की मुखबिर योजना में बदलाव

बीकानेर, (निसं)। आबकारी विभाग की मुखबिर योजना में अब अवैध शराब पकड़े जाने पर एक करोड़ की बजाय 10 लाख रुपए के राजस्व नुकसान पर भी इनाम मिलेगा। पहले एक करोड़ रुपए के राजस्व नुकसान पर ही मुखबिर योजना का फायदा मिलता था।राजस्थान सरकार के वित्त विभाग ने मुखबिर योजना में संशोधन किया है।

पहले अवैध शराब पकड़े जाने पर अगर एक करोड़ रुपए का राजस्व नुकसान पाया जाता तो ही मुखबिर को इनामी राशि मिलती थी। लेकिन, अब एक करोड़ की बजाय 10 लाख रुपए के राजस्व नुकसान पर ही मुखबिर को 4 प्रतिशत नकद राशि इनाम में दी जाएगी। इसके अलावा पकड़े गए वाहन की कीमत का आंकलन कर उसकी भी 8 प्रतिशत राशि मुखबिर को मिलेगी। लेकिन, नए संशोधन में तय कर दिया गया है कि किसी भी परिस्थिति में मुखबिर को 15 लाख रुपए से ज्यादा का इनाम नहीं मिलेगा। यानी कि शराब चाहे एक करोड़ की हो या दो करोड़ रुपए की, मुखबिर को ज्यादा से ज्यादा 15 लाख रुपए ही मिलेंगे। वित्त विभाग के टैक्स डिवीजन की ओर से नई संशोधित मुखबिर योजना के आदेश जारी कर दिए गए हैं। गौरतलब है कि हरियाणा-पंजाब के बड़े पैमाने पर अवैध शराब की तस्करी होती है। करोड़ों रुपए की शराब राजस्थान के जिलों से होते हुए गुजरात पहुंचती है। इसके अलावा राजस्थान में भी तस्करी की शराब सप्लाई की जाती है। सरकार ने इस पर अंकुश लगाने के लिए मुखबिर योजना को ज्यादा लाभकारी बनाया है।

ठगी का मामला दर्ज

उदयपुर, (निसं)। प्रताप नगर थाना पुलिस ने आरोपी व साथी के खिलाफ खाता किराए देकर ऑनलाइन सायबर ठगी जरिये अवैध नकदी लेनदेन करने का प्रकरण दर्ज किया। सायबर क्राईम पोर्टल पर प्राप्त शिकायत के अनुसार हेडकांस्टेबल मुकेश कुमार द्वारा की गई जांच में केनरा बैंक के खाताधारक कपील देवानायक व अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जांच में आरोपी से की गई पूछताछ में उसने अपना बैंक खाता रिश्तेदार आकाश पुत्र सुरेशचन्द्र नायक निवासी सेणवास आमेट राजसमन्द हाल उमरड़ा को किराए पर देने की जानकारी आई। आरोपी के बैंक खाते से अवैध लेनदेन की शिकायतें सायबर क्राईम पोर्टल पर दर्ज होने पर की गई जांच में इसका खुलासा हुआ। जिसकी जांच एएसआई भगवतसिंह कर रहे हैं।

किशन थोड़ा और क्रिकेट खेलें और अच्छा प्रदर्शन करके दिखाएं। उन्होंने अब तक दो टेस्ट, 27 वनडे और 32 टी20 इंटरनेशनल खेले हैं।
- अजीत अगरकर

भारतीय चीफ सिलेक्टर, ईशान किशन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **खालिद जमील**

भारतीय पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच खालिद जमील ने क्लबों और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ से खिलाड़ियों के 'रिलीज' करने के मुद्दे को बातचीत से हल करने का आग्रह किया है। जमील की यह टिप्पणी इंडियन सुपर लीग के तीन टीमों के 14 खिलाड़ियों के अभी तक राष्ट्रीय शिविर में शामिल नहीं होने के बाद आई है। इन खिलाड़ियों में राष्ट्रीय टीम के कप्तान सुनील छेत्री भी शामिल हैं। यह अहम शिविर एएफसी एशियाई कप क्वालीफाइंग मैचों की तैयारी के लिए आयोजित किया जा रहा है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने रविवार को होने वाले एशिया कप के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

बीसीसीआई ने हारिस रऊफ, साहिबजादा फरहान की आईसीसी से शिकायत की

दुबई, 25 सितंबर। भारत ने एशिया कप सुपर 4 मैच के दौरान भड़काऊ इशारे करने वाले पाकिस्तान के क्रिकेटरों हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान के खिलाफ आईसीसी के पास आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। समझा जाता है कि बीसीसीआई ने बुधवार को दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और आईसीसी को ईमेल भेजा है। आईसीसी इस मामले में सुनवाई करेगी क्योंकि साहिबजादा और रऊफ ने लिखित में इन आरोपों का खंडन किया है। उन्हें सुनवाई के लिये आईसीसी एलीट पेनल के रैफरी रिची रिचर्डसन के सामने पेश होना पड़ सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जवाबी कार्रवाई में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव की आधिकारिक शिकायत की है जिन्होंने 14 सितंबर को पाकिस्तान पर मिली जीत को आपरेशन सिंदूर में शामिल भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित करते हुए पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाई थी। पीसीबी ने आरोप लगाया है कि सूर्यकुमार की टिप्पणी राजनीतिक थी।

सूर्यकुमार यादव आईसीसी की आधिकारिक सुनवाई में हुए शामिल

भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव गुरुवार को मैच रेफरी रिची रिचर्डसन द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद सुनवाई में शामिल हुए। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड द्वारा दर्ज करायी गई शिकार के बाद आज यह सुनवाई हुई। इस दौरान भारतीय क्रिकेट क्रंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सीओओ हेमंग अमीन और क्रिकेट संचालन प्रबंधक सुमीत मल्लापुरकर भी सूर्यकुमार यादव के साथ थे। सुनवाई के दौरान सूर्यकुमार यादव को आधिकारिक चेतावनी दी गई है। भारतीय कप्तान पर जुर्माना या एक डिमेरिट अंक लगने की संभावना है।

मैदान में हारिश रऊफ ने भारतीय सैन्य कार्रवाई का मजाक उड़ाया

भारत के खिलाफ 21 सितंबर के मैच के दौरान रऊफ ने भारतीय समर्थकों के 'कोहली कोहली' चिल्लाने के बाद भारतीय सैन्य कार्रवाई का मजाक बनाते हुए विमान गिरा देने का इशारा किया था। कोहली ने विश्व कप 2022 के दौरान एमसीजी पर रऊफ की गेंद पर विजयी छक्का लगाया था। रऊफ ने मैच के दौरान भारतीय सलामी बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल को भी गालियां दी जिसका जवाब दोनों युवा क्रिकेटरों ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से दिया।

साहिबजादा ने बल्ले को मशीनगन की तरह इस्तेमाल किया

इसी मैच के दौरान साहिबजादा ने बल्ले को मशीनगन की तरह इस्तेमाल करते हुए बंदूक चलाने के अंदाज में जश्न मनाया था जिसकी काफी निंदा हुई। फरहान ने मैच के बाद कहा था ,"वह जश्न सिर्फ उस समय एक पल था। मैने 50 रन पूरे करने के बाद जश्न नहीं मनाया था और अचानक मेरे दिमाग में आया कि आज जश्न मनाते हैं और मैने वही किया। मुझे नहीं पता कि लोग इसे कैसे लेंगे और मुझे परवाह भी नहीं है।"

रऊफ और फरहान को आईसीसी के समक्ष सफाई देनी होगी

रऊफ और फरहान को आईसीसी के समक्ष इन हरकतों की सफाई देनी होगी और अगर आईसीसी संतुष्ट नहीं होती है तो उन्हें आचार संहिता के तहत सजा हो सकती है। उधर एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने आग में घी डालते हुए बुधवार को एक्स पर क्रिस्टियानो रोनाल्डो का 'स्लो मोशन' वीडियो डाला है जिसमें पुर्तगाल का यह महान फुटबॉलर विमान के क्रैश होने का इशारा कर रहा है जैसा रऊफ ने भारत के खिलाफ मैच के दौरान किया था।

फाइनल में उतरने से पहले अपनी अंतिम तैयारियों को परखना चाहेगा भारत

दुबई, 25 सितम्बर। एशिया कप सुपर-4 के आख़िरी मैच में भारतीय टीम शुक्रवार को श्रीलंका से भिड़ेगी। भारतीय टीम सुपर-4 के दोनों मैच जीतकर पहले ही फाइनल में जगह बना चुकी है और यह मुकाबला उसके लिए तैयारियों की अंतिम परीक्षा होगी। वहीं, शुरुआती दो मैच हारने के बाद श्रीलंका की टीम पहले ही ख़िताबी दौड़ से बाहर हो चुकी है। इस बीच मुक़ाबले से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों पर एक नजर डालते हैं। भारत और श्रीलंका के बीच टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में अब तक 31 मुक़ाबले खेले गए हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 21 मैच अपने नाम किए हैं। श्रीलंका को नौ मुकाबलों में जीत मिल पाई है। एक मैच में कोई नतीजा नहीं निकला है। दोनों टीमों के बीच खेले गए आख़िरी पांच मुकाबलों में भारतीय टीम ने चार मैच अपने नाम किए हैं। श्रीलंका सिर्फ़ एक मैच जीतने में सफल रही है। अभिषेक शर्मा ने एशिया कप 2025 में पांच मुक़ाबले खेले हैं और इसकी 5 पारियों में 49.60 की औसत और 206.66 की स्ट्राइक रेट से 248 रन बनाए हैं। श्रीलंका के पथुम निसंका ने 5 पारियों में 30.80 की औसत और 146.66 की स्ट्राइक रेट से 154 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में कुलदीप यादव ने 5 पारियों में 8.08 की उम्दा औसत के साथ 12 विकेट चटकाए हैं। हसरंगा ने 5 पारियों में 17 की औसत से 7 विकेट झटके हैं।

खत्म हो जाएगा मो. शमी का करियर वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में नहीं मिली जगह

नई दिल्ली, 25 सितंबर। लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे टीम इंडिया के अनुभवी खिलाड़ी मोहम्मद शमी को एक बार फिर मौका नहीं मिला है। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए उनकी फिर अनदेखी हुई है। ये दूसरा मौका है जब वह टीम इंडिया में अपनी जगह नहीं बना पाए हैं। बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने शमी के बाहर ने की वजह बताई है। अजीत अगरकर ने कहा कि, उन्हें पता नहीं है कि शमी कितने फिट हैं और उन्होंने ज्यादा क्रिकेट नहीं खेली है।शमी ने आखिरी बार दलीप ट्रॉफी के दौरान लाल गेंद से क्रिकेट खेला था। ईस्ट जोन के लिए वह प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाए। शमी ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट मैच 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेला था। अगरकर ने कहा कि, इस तेज गेंदबाज ने पिछले कुछ सालों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा मैच नहीं खेले हैं और उन्हें टीम में वापसी के लिए घरेलू टूर्नामेंट में और ज्यादा प्रदर्शन करने की जरूरत है। शमी के बारे में पूछने पर अगरकर ने कहा कि अभी उन्हें पता नहीं है कि वह कितने फिट हैं। उन्होंने कहा कि, हमें कोई अपडेट नहीं मिली है। मुझे लगता है कि उन्होंने पिछले 2-3 सालों में ज्यादा क्रिकेट नहीं खेली है।

एशिया कप में पहली बार भारत-पाक फाइनल होगा

पाकिस्तानी टीम ने बांग्लादेश को 11 रन से हराया

दुबई, 25 सितंबर। एशिया कप के इतिहास में पहली बार भारत-पाकिस्तान के बीच फाइनल खेला जाएगा। यह मुकाबला 28 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। पाकिस्तानी टीम ने गुरुवार को बांग्लादेश पर 11 रन की जीत दर्ज करके फाइनल में जगह बनाई। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में 136 रन का टारगेट चेज कर रही बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 124 रन तक ही पहुंच सकी। शमीम हुसैन ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। टीम के शेष बैटर्स खास प्रदर्शन नहीं कर सके। शाहीन शाह अफरीदी ने 3 विकेट झटके। सैम अयूब को 2 विकेट मिले। इससे पहले टॉस हारकर पहले बैटिंग कर रही पाकिस्तान ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 135 रन बनाए। मोहम्मद हारिस ने 31, शाहीन शाह अफरीदी ने 19 और मोहम्मद नवाज 25 रन की पारियां खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। टीम ने 49 पर 5 विकेट गंवा दिए थे। बांग्लादेश से तस्कीन अहमद ने 3 विकेट झटके। मेहदी हसन और रिशाद हुसैन को 2-2 विकेट मिले।

भारत-ए को जीत के लिए चाहिए 243 रन

लखनऊ, 25 सितंबर। के एल राहुल (रिटायर्ड हर्ट 74) और साई सुदर्शन (नाबाद 44) की जूझारु पारियों के दम पर भारत ए ने गुरुवार को दूसरे अनाधिकृत टेस्ट के तीसरे दिन खेल समाप्त होने के समय दो विकेट पर 169 रन बना लिये है और अभी उसे जीत के लिए 243 रनों की जरुरत है। ऑस्ट्रेलिया ए ने कल के तीन विकेट पर 16 रन से आगे खेलना शुरु किया और उसकी दूसरी पारी 185 रन पर समाप्त हुई। आज सुबह के सत्र में ऑस्ट्रेलिया ने अपना चौथा विकेट स्कोर में महज एक रन जोड़ कर गंवा दिया। कूपर कॉनली (एक) को मोहम्मद सिराज ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद जॉश फिलिपे ने कैंपबेल केलावे के साथ पांचवें विकेट के लिए 90 रन जोड़े। मानव सुथार ने जॉश फिलिपे (50) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके।

अभ्यास मैच के दौरान अरुंधति रेड्डी चोटिल

बेंगलुरु, 25 सितंबर। महिला एकदिवसीय विश्वकप से पहले भारतीय टीम को उस समय झटका लगा जब ऑलराउंडर अरुंधति रेड्डी को गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में चोटिल होने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा। आज यहां बीसीसीआई कोचिंग सेंटर में अपने पहले आधिकारिक अभ्यास मैच में इंग्लैंड की बल्लेबाजी के 13वें ओवर में यह घटना उस समय हुई, जब जेमिमा रोड्रिग्स की अगुवाई में भारत ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। लगातार दो नो-बॉल और दूसरी गेंद पर छक्का खाने के बाद, अरुंधति ने एक डॉट गेंद डाली, जिसे बल्लेबाज हीथर नाइट ने उनकी ओर वापस भेज दिया, जिससे गेंद अनजाने में गेंदबाज के बाएं घुटने पर लग गई। अरुंधति दर्द से तुरंत जमीन पर गिर पड़ीं और टीम के साथियों ने उन्हें कंधे से उठाया। उन्हें व्हीलचेयर पर कोचिंग सेंटर में तुरंत जांच के ले जाया गया। उनकी चोट की गंभीरता या प्रकृति का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन एक उत्साहजनक संकेत यह है कि अरुंधति बारिश के कारण खेल में हुए ब्रेक के दौरान लंगड़ाते हुए ही सही, अपने पैरों पर वापस आ गईं। हालांकि, भारत के विश्व कप के पहले मैच में एक हफ्ते से भी कम समय बचा है, इसलिए उनके आगे खेल में भाग लेने की संभावना कम है।

जिला संघ द्वारा अन्वी और जंगजीत का भव्य स्वागत

जयपुर, 25 सितम्बर। जयपुर जिला बैडमिंटन संघ द्वारा हाल ही में भारतीय बैडमिंटन टीम में चयनित हुईं अन्वी राठौर और जंगजीत काजला का भव्य स्वागत किया गया। यह दोनों होनहार खिलाड़ी चीन में 21 से 26 अक्टूबर तक होने वाली एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर दोनों खिलाड़ियों के साथ-साथ उनके परिजनों का भी माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी खिलाड़ियों को मिठाइयाँ बांटी गईं। जयपुर जिला सचिव मनोज दासोत ने अन्वी और जंगजीत को माला पहनाकर 11-11 हजार रुपये के चेक भेंट किए। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों की मेहनत, लगन और अनुशासन की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर डैफ ओलंपियन अभिनव शर्मा का भी माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। साथ ही, जंगजीत काजला के कोच यादवेंद्र सिंह और अतुल गुप्ता को भी उनके मार्गदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष अनिल मेहता ने दोनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दी।

चतुर्थ डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता 1 अक्टू. से

जयपुर, 25 सितम्बर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित चतुर्थ डॉ. ए.पी.जी. अब्दुल कलाम स्मृति लीग कम नॉक आउट टी-20 प्रतियोगिता का आयोजन करने जा रहा है प्रतियोगिता में कुल 10 टीमे ही भाग लेगी। प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छुक टीमे अपनी प्रविष्टिया 30 सितम्बर 2025 तक सचिव शाहरूख खान या आयोजन सचिव सलीम खान को भेज सकते है।

पीकेएल-12 : यूपी योद्धाज की लगातार दूसरी जीत, टाई ब्रेकर में बेंगलुरू बुल्स को दी मात

जयपुर, 25 सितंबर: यूपी योद्धाज ने भवानी राजपूत और गगन गौड़ा के दम पर गुरुवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 49वें मैच में बेंगलुरु बुल्स को टाई ब्रेकर में 6-5 से हरा दिया। यहां सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में खेले गए मैच में निर्धारित समय तक दोनों टीमों के बीच स्कोर 36-36 से बराबर पर रहा। इसके बाद मुकाबला टाई ब्रेकर में चला गया, जहां यूपी योद्धाज ने रोमांचक जीत दर्ज कर ली। बेंगलुरु को इस सीजन में टाई ब्रेकर में अपने दोनों ही मैचों में हार मिली है। यूपी योद्धाज की इस सीजन मे आठ मैचों में यह चौथी जीत है और टीम के अब आठ अंक हो गए हैं। वहीं, बेंगलुरु बुल्स को 10 मैचों में पांचवीं हार का सामना करना पड़ा है।

डॉ. नीरज कुमार पवन ने खेल संघों की बैठक में की तैयारियों की समीक्षा

खेल परिषद ने खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, 2025 की तैयारियों के लिए कमर कसी

जयपुर, 25 सितम्बर। डा. नीरज कुमार पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार और अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद ने राजस्थान में नवंबर माह में आयोजित होने वाले खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, 2025 की तैयारियों के लिए कमर कस ली है। गुरूवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम के अर्जुन हॉल में यहां आयोजित किए जाने वाले खेलो के राज्य खेल संघो के पदाधिकारियो की बैठक ली और उनसे इन खेलों के आयोजन के संबंध में मैदान आदि संबंधी जानकारी प्राप्त की।

डा. नीरज कुमार पवन ने बैठक में पधारे सभी खेल संघो के पदाधिकारियों से बात की और खेल मैदानों की दुरूस्तगी के बारे में जानकारी हासिल की। इन खेलों में 6-7 हजार खिलाडी भाग लेंगे, साथ ही 400 यूनिवर्सिटी में से करीब 200 यूनिवर्सिटी के खिलाडियों के भाग लेने की संभावना है। उन्होने कहा कि किसी को भी किसी भी आयोजन स्थल पर कोई कमी नजर आती है तो जरूर बताए, उन्हे समय पर दुरूस्त कर दिया जायेगा। कोई भी यूनिवर्सिटी संस्थान इन खेलों के आयोजन में आगे आना चाहते है या सहयोग करना चाहते है तो उनका हम स्वागत करेगें। राजस्थान यूनिवर्सिटी, पूर्णिमा यूनिवर्सिटी और सिंघानिया यूनिवर्सिटी, उदयपुर आगे आये है, और इन्होने सहयोग करने के लिए कहा है।

उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी चाहते है कि इन खेलों का शानदार आयोजन किया जाये और किसी चीज की कमी नहीं रहनी चाहिए। न तो खिलाडियों को न ही आयोजन में कहीं कोई कमी होनी चाहिए। इसलिए हम चाहते है कि आपके सहयोग (खेल संघो) से सफल आयोजन किया जाये ताकि प्रदेश का नाम पूरे देश में गर्व से लिया जा सकें। बैठक में विभिन्न खेल संघो के पदाधिकारियों ने अपने-अपने खेलों व मैदानों से संबंधित विचार रखें, जिस पर डा. नीरज कुमार पवन ने शीघ्र ही कार्यवाही करने के निर्देश दिए और कहा कि वे प्रतिदिन प्रातः 10.30 बजे और सायं 04.30 बजे इन खेलों के आयोजन के लिए की जा रही तैयारी की समीक्षा करेगें।

बैठक में युवा मामले एवं खेल विभाग की संयुक्त शासन सचिव नीतू बारूपाल, कार्यकारी सचिव व वित्तीय सलाहकार महावीर मीणा,, राजस्थान राज्य ओलपिंक संघ व राजस्थान कबड्डी संघ के अध्यक्ष तेजस्वी गहलोत, राजस्थान जूडो संघ के सचिव महिपाल ग्रेवाल, राजस्थान बॉक्सिंग संघ के सचिव नरेन्द्र निर्वाण, राजस्थान एथलेटिक संघ के सचिव देवनारायण गुर्जर, राजस्थान तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष दिपेन्द्र सिंह व सचिव सुरेन्द्र गुर्जर, राजस्थान फेंसिंग संघ के सचिव विष्णु शर्मा व दाउद खान आदि मौजूद थे।

गत चैम्पियन इटली पुरुष वालीबॉल विश्व चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पोलैंड से भिड़ेगा

मनीला, 25 सितंबर। गत चैंपियन इटली ने बेल्जियम को 3-0 से हरा दिया और अब एफआईवीबी पुरुष वॉलीबॉल विश्व चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पोलैंड से भिड़ेगा। बुधवार को बेल्जियम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इटली ने 25-13, 25-18, 25-18 से आसान जीत हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ग्रुप चरण में बेल्जियम के हाथों मिली हार से आहत इतालवी टीम क्वार्टर फाइनल के पहले सेट में पूरी तरह से विध्वंसक मूड में थी। प्रतिद्वंद्वी पर कोई रहम न करते हुए, उसने एकतरफा प्रदर्शन किया और मिडल ब्लॉकर रॉबर्टो रूसो के ब्लॉकिंग के दम पर सेट जीतने में भारी अंतर से जीत हासिल की। दूसरे सेट में बेल्जियम के लिए स्थिति थोड़ी सुधरी, लेकिन कोर्ट पर मुकाबला अभी भी एकतरफा रहा। इटली तब तक पूरी तरह से नियंत्रण में रहा जब तक रूसो ने एक सफल ब्लॉक के साथ एक और सेट जीत नहीं लिया।

जयपुर पोलो और मेफेयर पोलो टीमें जीती

जयपुर, 25 सितम्बर। पीपीसी पोलो ग्राउंड पर ऑल स्टार पोलो टीम ओर मेफेयर पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें मेफेयर पोलो टीम ने ऑल स्टार पोलो टीम को 7 के मुकाबले 8 गोल से हराया। मेफेयर पोलो टीम की ओर से सवीर और बतिस्ता ने अपनी टीम के लिए 3-3 गोल किये। वहीं शमशीर ने 2 गोल किए। ऑल स्टार पोलो टीम की ओर से डीनो ध्रुवपाल गोदारा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 गोल ओरमतिहास ने अपनी टीम के लिए 1 गोल किया। पोलो ग्राउंड पर दूसरा मैच नेवी कानोता पोलो टीम ओर जयपुर पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें जयपुर पोलो टीम ने नेवी कानोता पोलो टीम को 5 के मुकाबले 10 गोल से हराया। नेवी कानोता पोलो टीम की ओर से प्रताप सिंह 4 गोल किए ओर कैप्टन ए पी सिंह ने 1 गोल किया। वहीं जयपुर पोलो टीम की ओर से लांस वाटसन ने 2, अंगद कलान ने 3गोल और महाराज पद्मनाभ सिंह ने आज अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम के लिए 5 गोल कर जीताया।

राजस्थान अंडर-19 टीम के संभावित घोषित

जयपुर 25 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 19 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 19 टीम के संभावितों चयन राजस्थान जूनियर चयन कमेटी ने आरसीए द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सीनियर अंडर 19 ट्रॉफी, चैलेंजर ट्रॉफी में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर किया। संभावितों का प्रशिक्षण शिविर जयपुर में आयोजित किया जाएगा।

राजस्थान अंडर 19 टीम के संभावित खिलाडी :-शिफान खान, दीपेश, जयवर्धन गहलोत, आदित्य सैनी, देवांश सिंह, मोहम्मद अनस, नावेद खान, कुशग्र ओझा, मोहम्मद सोएब खान, हर्ष दगड़ी, जतिन सैनी, शुभंकर त्यागी, जगदीश चौधरी, साहिब अभिचंदानी, शौर्य वर्धन, कवीश घुनावत, रजत बघेल, भव्य राज, गौरव झाझरा, अभय राज सिंह, अभिषेक मूंड, प्रखर शर्मा, सुजल परमार, हनी प्रताप सिंह, यथार्थ भारद्वाज।

राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का दूसरा दिन रहा रोमांचक से भरा

जयपुर, 25 सितम्बर। राजस्थान फुटबाल संघ के तत्वाधान में जिला फुटबाल संघ कोटा द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आज दूसरा दिन आयोजन सचिव तीरथ सांगा ने बताया कि आज प्रतियोगिता के दूसरे राउंड के मैच खेले गए जिसमें सभी टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। जालोर व डूंगरपुर के मध्य खेला गया पहले मैच में दोनों ही टीमें निर्धारित समय तक 1-1 गोल से बराबर रही। अंत में पेनल्टी शूटआउट में जालौर ने डूंगरपुर पर 4-3 से जीत दर्ज की, सीकर व भरतपुर के मध्य खेले गए। मैच में भी सीकर ने पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से जीत दर्ज की, जयपुर व पाली के मध्य खेले गए मैच में जयपुर ने 5-0 से जीत दर्ज की। झुंझुनू ने करौली को 1-0 से हराया, अलवर ने उदयपुर को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 1-0 से हराया। हनुमानगढ़ ने जोधपुर को 5-0 से हराया ,बीकानेर ने गंगानगर को पेनाल्टी शूटआउट में 1-0 से हराया। कोटा ने बारा को 1-0 से हराया कल प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। आज के मैच में अतिथि के रूप में रामकिशन गोदारा थाना अधिकारी भीमगंज मंडी कोटा, राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत, महेंद्र सिंह बिजारणिया, विपिन कटवाल, प्रवीण विजय आदि उपस्थित रहे।

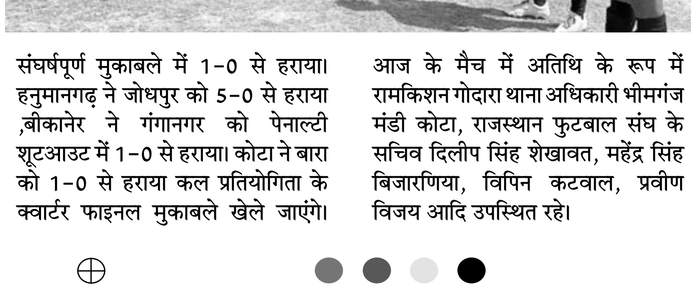

मुख्यमंत्री ने त्रिपुर सुंदरी मंदिर में पूजा की

मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी मंदिर में दर्शन किए

बांसवाड़ा/जयपुर, 25 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को बांसवाड़ा के तलवाड़ा स्थित शक्ति पीठ त्रिपुर सुंदरी मंदिर में दर्शन तथा विधि-विधान से पूजा अर्चना की। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

■ मुख्यमंत्री ने नापला हैलीपैड पर कहा कि प्रधानमंत्री ने राजस्थान को जो सौगातें दी हैं, उससे प्रदेश का विकास होगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बांसवाड़ा के तलवाड़ा में त्रिपुर सुंदरी मंदिर में पूजा की।

मंदिर दर्शन से पूर्व मुख्यमंत्री ने नापला हेलीपैड पर मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति जनता में विशेष आकर्षण, लगाव और विश्वास है, इसलिए इतनी विशाल सभा का आयोजन आज नापला में हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जब भी राजस्थान आते हैं, प्रदेश को सौगातें देते हैं। आज उन्होंने प्रदेश के लिए लगभग 1 लाख 8 हजार करोड़ रुपये के कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। साथ ही, 15 हजार से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वागड़ क्षेत्र में आज माही बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र की आधारशिला रखी है। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन होगा।

'सरकार मुझे जेल भेजने की तैयारी में है'

लद्दाख, 25 सितंबर। लद्दाख में भड़की हिंसा पर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने सरकार पर करारा प्रहार किया है। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि अगर उन्हें गिरफ्तार किया गया तो सरकार की दिक्कतें उनकी आजादी से कहीं ज्यादा बढ़ जाएंगी।

वांगचुक ने गुरुवार को गृहमंत्रालय के उस बयान को खारिज किया जिसमें बुधवार की हिंसा के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया गया था। उन्होंने कहा कि सरकार बलि का बकरा तलाश रही है जबकि असली समस्या को नजरअंदाज कर रही है।

भाजपा के सांसदों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जहाँ एक ओर नीतीश कुमार साफ-सुथरे शासन पर जोर दे रहे हैं, वहीं भाजपा की आंतरिक कलह सामने आ रही है, जिससे बिहार में एनडीए का चुनावी गणित काफी कमजोर दिख रहा है। पार्टी नेतृत्व के सामने दोहरी चुनौती है, सहयोगियों को शांत करना और अपने ही वरिष्ठ नेताओं को चुनावी मैदान में उतरने के लिए मनाना। जैसी स्थिति है, एनडीए इस चुनावी मौसम में सवालों से घिरा हुआ है, जवाबों से नहीं।

वांगचुक के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एजूकेशनल एंड कल्चरल मुवमेंट आफ लद्दाख का पंजीकरण प्रमाण पत्र तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। उल्लेखनीय है कि सोनम वांगचुक लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने तथा उसे पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर पिछले कुछ दिनों से हड़ताल कर रहे थे। लेह में बुधवार को हिंसा भड़कने के बाद उन्होंने अपनी हड़ताल वापस ले ली थी।

अमेरिका विश्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह प्लेटफ़ॉर्म युवाओं का ध्यान आकर्षित करने और उन पर प्रभाव डालने में इतना सफल हो गया था कि अमेरिकियों को खतरा महसूस होने लगा और उन्होंने इसे रोकने की कोशिश की। पूर्व के बाइडन प्रशासन ने कंपनी को आदेश दिया था कि वह अमेरिका में अपनी संपत्तियाँ किसी अमेरिकी समूह को बेच दे। सरकार टिक टॉक के संचालन वाले मूल एल्गॉरिद्म को भी हासिल करना चाहती थी।

ट्रंप के सत्ता में आने के बाद उन्होंने भी यही नीति जारी रखी और एक समयसीमा तय की कि कंपनी को या तो अपनी अमेरिकी संपत्तियों का स्वामित्व अमेरिकियों को सौंपना होगा, या फिर अमेरिका में अपना काम बंद करना होगा। चीन ने इस अमेरिकी कदम का विरोध किया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला दिया, जबकि चीन में खुद ऐसी स्वतंत्रता नहीं है।

विवाद के चलते चीन और अमेरिका ने कंपनी के भविष्य को लेकर बातचीत शुरू की। चीन ने टिक टॉक की अमेरिकी संपत्तियों को बेचने के विचार का विरोध किया, क्योंकि स्पष्ट रुप से वह अमेरिकी बाज़ार तक अपनी पहुँच खोने को लेकर चिंतित था।

दोनों देशों ने कंपनी के भविष्य को लेकर बातचीत जारी रखी, लेकिन ट्रंप की टैरिफ़ नीति के हमलों के बाद ये वार्ताएँ रुक गईं। बाद में जब चीन ने दुर्लभ खनिज जैसे अहम कच्चे माल की आपूर्ति रोकने जैसी गंभीर धमकियाँ दीं तो बातचीत फिर शुरू हुई।

अमेरिकी बाज़ार में टिकटॉक को बंद करने की धमकी देकर ट्रंप प्रशासन ने सीधे अमेरिकी स्वामित्व के तहत इसे चलाने की एक योजना तैयार की है।

भूपेन्द्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुभव है। वहीं, बिप्लब देब का अनुभव पूर्वोत्तर राज्यों से बंगाल की राजनीति को मजबूत करेगा।

बिहार के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को चुनाव प्रभारी जबकि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल को सह-प्रभारी बनाया है।

तमिलनाडु में भाजपा सांसद बैजयंत पांडा को प्रभारी और मुरलीधर मोहोल को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है।

'बाँसवाड़ा की धरती पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामर्थ्य का एक नया अध्याय लिखा गया है।

उन्होंने कहा कि देश में पूर्ववर्ती सरकारों ने बिजली के महत्व पर ध्यान नहीं दिया। आजादी के 70 साल बाद भी देश के 18 हजार गांवों में बिजली का खंभा तक नहीं लगा था। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार स्वच्छ ऊर्जा के अभियान को एक जन-आंदोलन बनाकर काम कर रही है। किसानों को सस्ती बिजली मिल सके, इसके लिए पीएम-कुसुम योजना के तहत खेतों में भी सोलर पंप लगाए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती पर उन्हें स्मरण करते हुए कहा कि उनका अंत्योदय का सिद्धान्त आज हमारा मिशन बन चुका है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ऊर्जावान नेतृत्व में राजस्थान स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज राजस्थान सौर ऊर्जा उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। पीएम-कुसुम योजना के तीनों घटकों में राज्य में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। कुसुम योजना के घटक-ए में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है और राज्य के 22 जिलों में किसानों को दिन के समय बिजली मिलनी शुरू हो चुकी है।

■ प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश को विकास की राह पर ले जाने में राजस्थान बड़ी भूमिका निभा रहा है।

■ प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि प्र.मंत्री के नेतृत्व में राजस्थान स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और सौर ऊर्जा में प्रथम स्थान पर पहुँच गया है।

■ कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने साफा पहनाकर और विजय स्तंभ का चित्र प्रदान कर प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने 1 लाख 8 हजार करोड़ रुपये की ऐतिहासिक सौगातें राजस्थान को देने के लिए प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान 2 अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र भी प्रतीक रूप में प्रदान किए। इस अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से बीकानेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस, जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस एवं उदयपुर सिटी-चंडीगढ़ एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। कार्यक्रम की शुरूआत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्व. पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी का साफा पहनाकर और आदिवासी सम्मान का प्रतीक तीर-कमान भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सांसद मदन राठौड़, केन्द्र एवं राज्य सरकार के मंत्रीगण सहित, सांसद एवं विधायकगण और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

स्कूल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शर्त पर दी कि विद्यार्थियों को कोई असुविधा न हो।

उच्च न्यायालय ने स्कूल मैदान में रामलीला के आयोजन पर रोक लगा दी थी।

शीर्ष अदालत ने आदेश पारित करते हुए इस दलील पर भी गौर किया कि स्कूल के मैदान का उपयोग लगभग 100 वर्षों से रामलीला समारोहों समेत अन्य धार्मिक उत्सवों के लिए किया जाता रहा है।

पीठ ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता के वकील से पूछा, ''यह पिछले 100 सालों से होता आ रहा है। आपने आखिरी समय में अदालत का दरवाजा क्यों खटखटाया? आपको पहले से जाकर प्रशासन से व्यवस्था करने के लिए कहने से किसने रोका? आप न तो छात्र हैं और न ही किसी छात्र के अभिभावक... आप संपत्ति के मालिक नहीं हैं... आप जनहित याचिका दायर कर सकते थे, लेकिन आपको किसने रोका?''

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खत्म करने के आदेश को बहाल कर दिया। इसके बाद याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट गए। अपीलकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट आर्यमा सुंदरम और गोपाल सुब्रमण्यम ने ये तर्क दिए: ओए की धारा 12 पहले केवल 7 वर्षों तक लागू थी। ज़मीन इतनी खराब थी कि वहाँ कुछ भी उगाना संभव नहीं था। पुर्तगाली प्रशासन ने खुद इन कठिनाइयों को मान लिया था।

सन् 1936 के पुर्तगाली डिक्री में कहा गया कि ऐसी ज़मीनें अहस्तांतरित हैं, और केवल सार्वजनिक कार्य या किराया न देने पर रद्द की जा सकती हैं।

हाई कोर्ट ने तथ्यों की दोबारा जांच करके धारा 100 सीपीसी के तहत अपनी सीमा का उल्लंघन किया।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कलैक्टर के फैसले का समर्थन किया और कहा, ओए की धारा 12 में स्पष्ट रूप से ज़मीन पर खेती करना अनिवार्य है और इस हल्का नहीं किया जा सकता।

पुर्तगाली कानूनों पर अपीलकर्ताओं की दलीलें पहले कभी निचली अदालतों में नहीं दी गई थीं, सुप्रीम कोर्ट में पहली बार इन्हें उठाना स्वीकार्य नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से सहमति जताई और कहा, ओए एक विशेष कानून है, जो दादर और नगर हवेली के लिए बनाया गया था और यह सामान्य पुर्तगाली भूमि कानून पर वरीयता रखता है। धारा 12 के तहत ज़मीन की रद्दीकरण प्रक्रिया स्वतंत्र रूप से कलेक्टर द्वारा की जा सकती है, इसके लिए अलग से कानूनी कार्रवाई जरूरी नहीं। सरकारी नीति और सार्वजनिक हित में बनाए गए क़ानूनों की अवहेलना या माफ़ी नहीं दी जा सकती। सिर्फ राज्य की निष्क्रियता को मौन स्वीकृति नहीं माना जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने अपीलें खारिज कर दीं और कहा कि सरकारी ज़िम्मेदारियाँ और वैधानिक शर्तें, चाहे वे औपनिवेशिक काल की विरासत ही क्यों न हों, उन्हें अनदेखा या माफ़ नहीं किया जा सकता।

अगले लोकसभा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता से हुई "सिंधु जल संधि" एक ऐतिहासिक जल-बंटवारा समझौता था। लेकिन 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने यह संधि निलंबित कर दी थी, और सरकार ने दृढ़तापूर्वक स्पष्ट किया था कि "पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।"

तब से भारत सरकार सिंधु जल के अपने हिस्से के उपयोग के लिए एक विस्तृत योजना पर काम कर रही है। इसे साकार करने के लिए इंटर-बेसिन सिंधु जल ट्रांसफर योजना के तहत एक महत्वाकांक्षी परियोजना पर विचार किया गया है, जिसकी निगरानी उच्च स्तर पर की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, इस परियोजना का सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा है- 14 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण। इसके लिए पर्वतीय चट्टानों का विस्तृत अध्ययन आवश्यक है। यदि चट्टानें कमजोर पाई जाती हैं, तो सुरंग पाइपों के माध्यम से बनाई जाएगी। इसका निर्माण कार्य डीपीआर मिलने के बाद शुरू किया जाएगा।

सुरंग निर्माण के लिए "टनल बोरिंग मशीन" और "रॉक शील्ड टैक्नॉलजी" के उपयोग का प्रस्ताव रखा गया है, ताकि गति और सुरक्षा दोनों सुनिश्चित की जा सकें। यह सुरंग जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में स्थित "उझ मल्टी परपज़ प्रोजेक्ट" से भी जोड़ी जाएगी, जिससे रावी की सहायक नदी उझ से ब्यास बेसिन में जल स्थानांतरित किया जा सकेगा।

इस सुरंग के पूरा होने से रावी-ब्यास-सतलुज प्रणाली को सिंधु बेसिन से जोड़ा जा सकेगा, जिससे भारत अपने हिस्से के जल का अधिकतम उपयोग कर सकेगा। सूत्रों का अनुमान है कि इसका निर्माण तीन से चार वर्षों में पूरा हो जाएगा और यह कार्य 2028 तक तैयार हो सकता है। इसकी अनुमानित लागत करीब 4,000 - 5,000 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

MARUTI SUZUKI

NEXA

CELEBRATIONS JUST GOT BIGGER.

WITH GST BENEFITS + LIMITED PERIOD FESTIVE OFFERS*

	PRICE REDUCTION OF UP TO#	NOW STARTING AT#	ADDITIONAL FESTIVE OFFERS OF UP TO*
FRONX	₹1 12 600	₹6 84 900	₹70 000
GRAND VITARA	₹1 07 000	₹10 76 500	₹1 29 100 + 5 Year Extended Warranty
BALENO	₹86 100	₹5 98 900	₹72 500
IGNIS	₹71 300	₹5 35 100	₹62 500
INVICTO	₹61 700	₹24 97 400	₹1 40 000
XL6	₹52 000	₹11 52 300	₹25 000
JIMNY	₹51 900	₹12 31 500	₹1 00 000

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

NEXA SAFETY SHIELD

*FESTIVE OFFERS VALID TILL 30TH SEP ONLY

UP TO 100% WAIVER ON CAR LOAN PROCESSING FEE (ONLY TILL 30TH SEP)##

E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

Contact us at 1800-200-[6392] 1800-102-[6392]

For detailed T&C kindly visit your nearest dealership. Features and accessories shown may not be a part of the standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers and features may vary subject to the model and variant purchased. *The mentioned offers include "Consumer Offer + Booking offer + Exchange Bonus + Rural offer", and may vary from city to city. Please contact nearby dealership for more details. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 30th September '25 or till stocks last. Maruti Suzuki Smart Finance is now available pan India. Maruti Suzuki Subscribe is available only in selected cities. ##Offers include consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offers (wherever applicable) on select models/variants. Finance is at the sole discretion of the financer by selected finance partners. #Prices and savings mentioned above are for select variants and may vary across cities/ variants.

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908